वर्ष : 16 अंक : 01 | प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित | अनूपपुर 04 से 10 जनवरी 2024 | मूल्य 2.00 | पृष्ठ 8 | Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी-SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छतीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार

चुनौतिया ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है और इसी से आपके ज़िन्दगी का महत्त्व निर्माण होता है।

संक्षिप्त समाचार

संसद सुरक्षा चूक मामला: उच्च न्यायालय ने पुलिस हिरासत के खिलाफ आरोपी नीलम आजाद की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तार आरोपी नीलम आजाद की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपनी पुलिस हिरासत को अवैध बताकर रिहाई का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। पीठ में न्यायमूर्ति मनोज जैन भी शामिल थे। पीठ ने कहा, ''याचिकाकर्ता ने पहले ही निचली अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर कर दी है। वर्तमान याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और इसलिए इसे खारिज किया जाता है।'' आजाद के वकील ने दलील दी कि पुलिस हिरासत संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि उन्हें निचली अदालत की कार्यवाही के दौरान अपने बचाव के लिए अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति नहीं दी गई। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का ऐसा कोई आधार नहीं बनता है। आजाद ने ''उसे रिहा करने'' का आदेश देने के साथ साथ उच्च न्यायालय के समक्ष पेशी के निर्देश संबंधी बंदी प्रत्यक्षीकरण की रिट याचिका का अनुरोध करते हुए अपनी अपील में कहा कि उसे अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति नहीं देना संविधान के तहत मिले उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है अत: उसकी हिरासत का आदेश गैरकानूनी है। निचली अदालत ने उसे पांच जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। निचली अदालत ने 21 दिसंबर को संसद सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तार आजाद समेत चार आरोपियों की पुलिस हिरासत पांच जनवरी तक बढ़ा दी थी।

महुआ मोइत्रा के निष्कासन पर सुप्रीमकोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले महीने सदन से निष्कासन के खिलाफ तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर लोकसभा महासचिव को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने अधिकारी को तीन हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। हालाँकि, अदालत ने उन्हें लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। नैतिकता पैनल द्वारा रिश्वत के बदले में व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के साथ अपने संसदीय लॉगिन विवरण साझा करने का दोषी पाए जाने के बाद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। पूर्व सांसद ने कहा था कि उन्होंने व्यवसायी के साथ अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा किए थे ताकि उनके कर्मचारी लोकसभा पोर्टल पर उनके प्रश्नों को टाइप कर सकें। उन्होंने दोनों के बीच रिश्वत के किसी भी आदान-प्रदान से इनकार किया था। सदन से निकाले जाने के कुछ दिनों बाद मोइत्रा ने अपने निष्कासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। पिछले महीने अपने निष्कासन पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में, महुआ मोइत्रा ने कहा था कि नैतिकता पैनल के पास उन्हें निष्कासित करने की शक्ति नहीं थी और हीरानंदानी से नकद स्वीकार करने का कोई सबूत नहीं था। उन्होंने यह भी बताया था कि पैनल ने उन्हें हीरानंदानी और उनके पूर्व साथी जय अनंत देहाद्राई, जो मूल शिकायतकर्ता हैं, से जिरह करने की अनुमति नहीं दी थी। दर्शन हीरानंदानी ने पैनल को एक हलफनामा लिखा था जिसमें दावा किया गया था कि मोइत्रा ने संसद में अडानी समूह पर सवाल पोस्ट करने की अनुमति देने के बदले में उनसे उपहार स्वीकार किए हैं।

जयशंकर ने नेहरू की चीन नीति को कोसा तो भड़की कांग्रेस, कहा- मौजूदा प्रधानमंत्री से लाभ लेने को...

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की चीन नीति की आलोचना करने पर कांग्रेस भड़क उठी है। उसने जयशंकर पर कई बड़े आरोप लगाए। साथ ही कहा कि वह मौजूदा प्रधानमंत्री से लाभ लेने के लिए नेहरू को कोस रहे हैं। गौरतलब है, विदेश मंत्री जयशंकर ने हाल ही में न्यूज एजेंसी को एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने चीन और भारत के बीच के रिश्तों के बारे में बात की थी। इस दौरान जयशंकर ने पंडित नेहरू की चीन नीति को कोसा था। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने विदेश मंत्री पर जमकर हमला बोला। जयराम रमेश ने मंगलवार को विदेश मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, मैं हर बार जब भी विदेश मंत्री के नेहरू पर दिए गए बयानों को पढ़ता हूं, तो मुझे सिर्फ इतना याद आता है कि वह अपनी अच्छी पोस्टिंग के लिए नेहरूवादियों के आसपास कितनी परिक्रमा करते थे। रमेश ने आगे कहा, मैं समझ सकता हूं कि उन्हें प्रधानमंत्री के साथ खुद को और अधिक जोड़ने के लिए नेहरू को कोसना पड़ता है। लेकिन ऐसा करने के लिए उन्होंने अपनी बौद्धिक ईमानदारी और निष्पक्षता खो दिया है। मुझे पता था कि वह उन लोगों के सामने झुक जाएंगे।

असम के डेरागांव में भीषण हादसा, ट्रक से भिड़ी बस

14 लोगों की मौत, 27 घायल

गुवाहाटी। असम में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। यहां के डेरागांव में 45 लोगों को ले जा रही एक बस ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में कम से कम 14 लोगों की मारे जाने की ख़बर है। वहीं, 27 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस का कहना है कि बस में बैठे लोग पिकनिक पार्टी के लिए अठखेलिया से बलिजान की तरफ जा रहे थे।

रास्ते में ही यह बस एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि बस का सफर सुबह तीन बजे शुरू हुआ था। रास्ते में ही कोयले से लदे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।

पुलिस ने कहा, ''चार लेन राजमार्ग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण ट्रक गलत दिशा से जोरहाट की ओर से आ रहा था, जबकि बस सही लेन में थी। सुबह कोहरा था और दोनों वाहन तेज गति में थे।''

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव कर्मियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एक अफसर ने कहा कि कई घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना कैसे हुई पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस हादसे पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, असम के गोलाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की आकस्मिक मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। गोलाघाट में हुए सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। पीएमओ की तरफ से जारी एक पोस्ट में बताया गया कि इस हादसे में मरने वालों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। स्थानीय प्रशासन इस कठिन घड़ी में घायलों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

पहले पलायन को मजबूर परंपरागत उद्यमियों के चेहरे पर आज खिल रही मुस्कान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर होने की वजह से न केवल आम नागरिक और व्यापारी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं बल्कि राज्य देश में निवेश के पसंदीदा गंतव्य के रूप में भी उभरा है। मुख्यमंत्री ने लोकभवन सभागार में आयोजित एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के 51 हजार करोड़ के मेगा ऋण वितरण समारोह में कहा ''हम वर्ष 2024 में प्रवेश कर चुके हैं। इन पौने सात वर्षों में प्रदेश छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। साथ ही प्रदेश सर्वाधिक वृद्धि दर और आर्थिक विकास दर के साथ देश में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।'' एक सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि आज उत्तर प्रदेश की प्रगति देखकर हर देशवासी खुश है लेकिन वर्ष 2017 से पहले यहां निराशा, हताशा और अराजकता का माहौल था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर होने की वजह से न केवल आम नागरिक और व्यापारी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं बल्कि राज्य देश में निवेश के पसंदीदा गंतव्य के रूप में भी उभरा है।

केरल में लेफ्ट-कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, कहा-

मुस्लिम बहनों को ट्रिपल तलाक से मुक्ति दिलाने की गारंटी को किया पूरा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल के थेक्किंकडु में स्त्रीशक्ति मोदिक्कोप्पम में भाग लिया। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर आधिकारिक तौर पर इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनावी बिगुल माना जा रहा है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से महिला सशक्तिकरण पर आधारित रहा। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं स्त्रीशक्ति का आभारी हूं जो मुझे आशीर्वाद देने के लिए भारी संख्या में यहां आई हैं। सौभाग्य से मैं शिव की नगरी कहे जाने वाले काशी संसदीय क्षेत्र से सांसद हूं। यहां वडक्कुनाथन मंदिर में भी भगवान शिव विराजमान हैं। आज केरल की सांस्कृतिक राजधानी त्रिशूर से निकलने वाली ऊर्जा पूरे केरल में नई आशा का संचार करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कल देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है। लेकिन मैं मानता हूं कि देश की नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद लेफ्ट, कांग्रेस की सरकारों ने, एलडीएफ, यूडीएफ की सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना। लेफ्ट और कांग्रेस की सरकारों ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देने वाले कानून को वर्षों तक लटकाए रखा। लेकिन मोदी ने आप सभी बहनों को आपका हक देने की गारंटी दी थी और उस गारंटी को पूरा करके दिखाया। नारीशक्ति वंदन अधिनियम अब कानून बन चुका है। मोदी ने कहा कि आपको याद होगा जब तक देश में लेफ्ट और कांग्रेस के गठबंधन की सरकारें थीं, तब तक मुस्लिम बहनें तीन तलाक से परेशान थीं। मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति देने की गारंटी दी थी और उसे ईमानदारी से पूरा भी करके दिखाया।

केजरीवाल ने ईडी के समन का दिया जवाब, बोले- सवाल लिखकर भेजिए खुशी से जवाब दूंगा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समन में शामिल नहीं होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एजेंसी को पत्र लिखकर कहा कि वह राज्यसभा चुनाव में व्यस्त हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि वह इसकी प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने एजेंसी से अपने पिछले पत्र का जवाब देने के लिए भी कहा जिसमें उन्होंने 'कथित पूछताछ/जांच जिसके लिए मुझे बुलाया जा रहा है, के वास्तविक इरादे, दायरे, प्रकृति, व्यापकता और दायरे' पर स्पष्टीकरण मांगा था। अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय पर 'वर्तमान मामले में अनुचित गोपनीयता बनाए रखने और अपारदर्शी और मनमाना होने' का आरोप लगाया। यह तीसरी बार है जब केजरीवाल समन में शामिल नहीं हुए। वह पांच राज्यों में चुनाव का हवाला देते हुए 2 नवंबर को समन में शामिल नहीं हुए थे। 21 दिसंबर को भी वह अपनी विपश्यना यात्रा का हवाला देकर समन में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने 2 नवंबर, 2023 और 20 दिसंबर, 2023 को उनके पहले के जवाबों का जवाब दिए बिना 'पहले के समान प्रारूप में समान शब्दों में समन भेजा था।'

लंबित केंद्रीय निधि को लेकर टीएमसी-बीजेपी में नोकझोंक, निरंजन ज्योति बोलीं-

मनरेगा के मुद्दे पर कर रहे राजनीतिक नौटंकी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच लंबित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) निधि को लेकर वाकयुद्ध छिड़ गया है। टीएमसी प्रतिनिधि महुआ मोइत्रा ने बीजेपी मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पर टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक से बचने का आरोप लगाया।

साध्वी निरंजन ज्योति ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पूर्व प्रतिबद्धताओं पर आगे बढ़ने से पहले 2.5 घंटे तक टीएमसी प्रतिनिधिमंडल का इंतजार किया। भाजपा नेता ने आगे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के भीतर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, जिसमें मनरेगा फंड के एक करीबी सहयोगी से जुड़े संभावित घोटाले की ओर इशारा किया गया।

विवाद का केंद्र बिंदु मनरेगा फंड जारी करना है, बंगाल सरकार ने केंद्र सरकार पर जानबूझकर फंड रोकने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे ने टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को दिल्ली में रैली करने के लिए प्रेरित किया। भाजपा ने टीएमसी सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के लिए केंद्रीय धन की हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

पिछले महीने, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य को लंबित केंद्रीय धन जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि राज्य के अधिकारी और केंद्र के अधिकारी एक साथ बैठ सकते हैं और मुद्दों को सुलझा सकते हैं।

टीएमसी में जारी खींचतान पर कांग्रेस की टिप्पणी, अधीर बोले- नेताओं में अनबन की कहानी भाजपा ने लिखी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव आने वाले हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस में खींचतान शुरू हो गई। तृणमूल की अंदरूनी कलह पार्टी के 27वें स्थापना दिवस के अवसर पर भी सामने आई। इसी कलह पर कांग्रेस ने टिप्पणी की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि टीएमसी नेताओं के बीच चल रही अनबन का मूल कारण भाजपा है। भाजपा ने ही अनबन की कहानी को लिखा है। लोकसभा में कांग्रेस दल के नेता और पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और नए नेताओं के बीच खींचतान हो रही है। इस अनबन की कहानी भाजपा ने लिखी है। चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ दिनों में भाजपा टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर सकती है। पूरा मामला सिर्फ भाजपा का नाटक है। अगर कभी भाजपा अभिषेक को सीएम का चेहरा बना दे तो हैरान न हों। ईडी और सीबीआई भी उनके खिलाफ चुप है।

जेएन.1 वेरिएंट के 511 मामलों की हुई पुष्टि

24 घंटों में पांच की मौत, फिर पैर पसार रहा वायरस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर से पैर पसारने लगा है। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हर बीतते दिन के साथ बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी बीच कोरोना वायरस संक्रमण के सबवेरिएंट जेएन.1 के मामले भी तेज रफ्तार से बढ़ रहे हैं, जिससे चिंता अधिक हो गई है। देश में कोविड-19 के उपस्वरूप जेएन.1 के अब तक कुल 511 मामले सामने आ चुके हैं। देश के 11 राज्यों में जेएन.1 वेरिएंट की दस्तक हो चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी है। जेएन.1 के सबसे अधिक मामले कर्नाटक से सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक से 199, केरल से 148, गोवा से 47, गुजरात से 36, महाराष्ट्र से 32, तमिलनाडु से 26, दिल्ली से 15, राजस्थान से चार, तेलंगाना से दो और ओडिशा व हरियाणा में भी एक एक मामले की पुष्टि हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जेएन.1 के तेजी से वैश्विक प्रसार के बाद इसे निगरानी में रखे जाने वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया है लेकिन साथ ही सीमित उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए जेएन.1 से उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कम आंका है। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश को कोविड मामलों की संख्या में तेज वृद्धि और जेएन.1 उपस्वरूप के मामले सामने आने पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया है। राज्यों से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा साझा किए गए कोविड-19 से संबंधित विस्तृत दिशानिर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है।

राजनीति

फिर छलका मामा शिवराज का दर्द, नए आवास का नाम रखा 'मामा का घर'

कई बार राजतिलक होते-होते वनवास हो जाता है

नई दिल्ली। भाजपा नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 2023 के विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी को शानदार जीत दिलाई, जिसके बाद भाजपा ने उन्हें किनारे करते हुए मोहन यादव को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में ताज पहनाया। चार बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके 64 वर्षीय दिग्गज नेता अगर नजरअंदाज किए जाने से निराश थे तो सार्वजनिक रूप से गुस्से का प्रदर्शन नहीं किया गया।

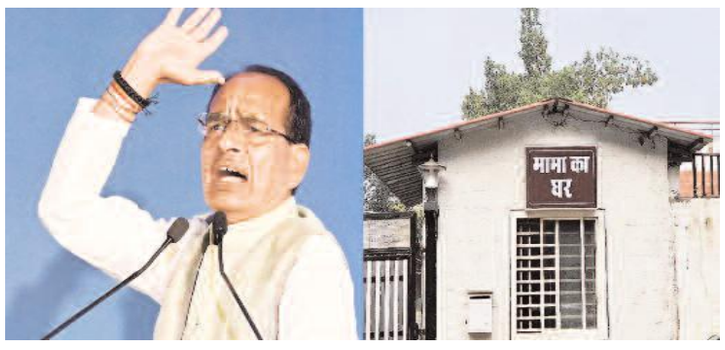

उस समय, खुद को एक निष्ठावान भाजपा कार्यकर्ता बताने वाले चौहान को दिल्ली में भाजपा आलाकमान के आदेश के आगे झुकना अच्छा लग रहा था। लेकिन, जब वह मंगलवार शाम शाहगंज शहर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे, तो उनका दर्द साफ तौर पर छलक गया।

भावुक होकर चौहान ने सभा से कहा कि कभी-कभी कोई राज्याभिषेक का इंतजार करता है लेकिन अंत में उसे वनवास मिलता है।

पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यों के बारे में बात करते हुए, जिसमें लाडली बहना योजना (महिला कल्याण के लिए), लाडली बहना योजना के लाभार्थियों के लिए आवास योजना शामिल हैं, उन्होंने कहा, नई सरकार इन सभी कार्यों को आगे बढ़ाएगी। कहीं न कहीं कोई बड़ा उद्देश्य होगा, कभी-कभी राजतिलक होने तक व्यक्ति को वनवास भी मिल जाता है। हालाँकि, उन्होंने तुरंत कहा, लेकिन यह सब किसी न किसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए होता है। बच्चे और महिलाएँ भी उन्हें प्यार से मामा कहकर बुलाते थे। अपने चुनाव अभियानों में, चौहान ने खुद को महिला सशक्तिकरण के चैंपियन के रूप में पेश किया था।

संसद में बजा बगावत का बिगुल?

संसद पर हमले की 22 वीं वर्षगांठ पर तीन युवक और एक युवति ने संसद परिसर में घुसकर तानाशाही, महंगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ विरोध जताया है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में एक हमलावर सागर, लखनऊ का निवासी है। वह 12वीं पास है। ई रिक्शा चलाता है। बहुत ही कमजोर और साधारण परिवार से आता है। दूसरा युवक मनोरंजन कर्नाटक का है। वह इंजीनियर है। अभी तक बेरोजगार है। दोनों युवक संसद के अंदर घुसे, और स्मोक बम जलाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। नीलम नामक युवति हरियाणा की है। उसकी उम्र 42 साल की है। वह सिविल सर्विसेज की तैयारी कर चुकी है। कई वर्षों से नौकरी तलाश रही है,लेकिन नौकरी नहीं लगी। वह युवती से अधेड़ अवस्था में होने की स्थिति में आ गई है। किसान आंदोलन लंबे समय तक चला, सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों पर जिस तरीके से लाठी डंडे चलाए गए। उन्हें आतंकवादी खालिस्तानी और आंदोलन जीवी कहा गया। सरकार ने प्रदर्शनकारियों की सुनवाई नहीं की। इससे नाराज होकर संसद परिसर में स्मोक कैन जलाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। चौथा आरोपी अमोल महाराष्ट्र का है। यह भी बेरोजगार है। कई वर्षों से सेना और पुलिस की भर्ती के लिए तैयारी कर रहा था। पेशे से मजदूर है। उसके पिता मंदिर में झाड़ू लगाते है। बहुत ही गरीब परिवार का है। क्रांतिकारी भगत सिंह के युवक और युवती फैन है। सोशल मीडिया से दोस्ती हुई है। इनके साथ दो लोग और भी थे। सभी बेरोजगार हैं। महंगाई की मार से परेशान है। उनके माता-पिता निम्न वर्गीय परिवार के हैं। पिछले कुछ वर्षों से मजदूर, किसान, छोटे व्यापारी, दुकानदारों की बात सरकार द्वारा नहीं सुनी जाती है। प्रदर्शन करने पर लाठी चार्ज और बल प्रयोग किया जाता है। इससे व्यथित होकर इन्होंने विरोध प्रदर्शन करने का वही तरीका अपनाया, जो तरीका कभी अंग्रेजों की सरकार के समय भगत सिंह एवं उनके साथियों ने अपनाया था। भाजपा सांसद के विजिटर पास से दोनों युवक संसद की दर्शक दीर्घा में पहुंचे थे। बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर जिस तरह से सरकार के मंत्री और भाजपा नेता युवाओं की बेरोजगारी और महंगाई पर जले हुए पर नमक छिड़कते हैं। कहते हैं कि बेरोजगारी नहीं है। सरकार ने करोड़ों लोगों को रोजगार दे दिया है। ऐसे ही महंगाई को लेकर सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता खुले आम बयान देते हैं, महंगाई का कोई असर नहीं है। चीज महंगी हुई हैं, तो इनकम भी बढ़ी है। देश के करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। उनकी इनकम कैसे बढ़ गई यह तो सरकार ही जाने। हां बड़े आदमी जरूर बड़े हो गए। गरीब और गरीब हो गए। समस्याओं को लेकर जब बेरोजगार किसान मजदूर द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाता है। तब पुलिस द्वारा लाठी डंडे चलाए जाते हैं। इससे नाराज होकर इन युवकों ने सरकार और सारे देश का ध्यान आकर्षित करने के लिए संसद में प्रदर्शन किया है। ना तो यह आतंकवाद की घटना

है। इसे युवाओं द्वारा की गई बगावत का नाम जरूर दिया जा सकता है। संसद की दर्शक दीर्घा से जो युवक सदन के अंदर कूदे हैं। उन्होंने जिस तरीके से कलर गैस छोड़कर अपना विरोध जताया है। संसद की सुरक्षा में सेंध को लेकर जो चिंता व्यक्त की जा रही है। उसके पहले देश के वास्तविक स्वरूप को पहचानने की कोशिश सांसदों और सरकार को करना चाहिए। यह प्रदर्शन महंगाई, बेरोजगारी और भुखमरी के कारण है। सरकार की असंवेदन शीलता से नाराज होकर या चिढ़कर प्रदर्शन कारियों ने यह कृत्य किया है। प्रदर्शनकारियों को लगता है, क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु से भी कहीं ना कहीं प्रेरणा मिली हुई है। जब अंग्रेज सरकार का दमन बढ़ गया था। उस समय भगत सिंह चंद्रशेखर और राजगुरु जैसे युवकों ने अंग्रेजों की सरकार खिलाफ विद्रोह का आगाज किया था।

ब्रहमाबाबा का आध्यात्मिक जीवन रहस्य, जो बन गए युग पुरूष!

प्रजापिता ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय के संस्थापक दादा लेखराज जो बाद में ब्रहमाबाबा नाम से प्रसिद्ध हुए,का जीवन अदभुत रहस्यों से सुसज्जित रहा है।उनपर एक ऐसी पुस्तक प्रकाशित है,जिसे दुनिया सबसे बडी पुस्तक होने का सौभाग्य प्राप्त है। 28 फीट लम्बी और 18 फीट चौडी आकार की दुनिया की इस सबसे बड़ी पुस्तक में प्रजापिता ब्रहमा के 75 वर्षों के रूहानी एवं लौकिक जीवन रहस्यों को रौचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।इस पुस्तक को एशिया बुक आफ वर्ल्ड रिकार्डस ने विश्व की सबसे बडी पुस्तक घोषित किया हुआ है। एशिया बुक आफ रिकार्डस के प्रतिनिधि थामस बेन ने पुस्तक को लेकर की गई अपनी टिप्पणी में कहा था कि यह पुस्तक आध्यात्मिकता एवं धार्मिक आधारों को प्रतिपादित करने में सफल सिद्ध होगी और इससे युवाओं में नई प्रेरणा और जागृति का संचार होगा।

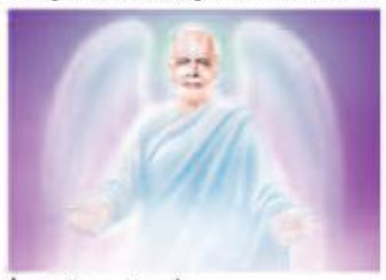

पुस्तक के पन्नों को पल्टे तो बाबा संगम युग में नई दुनिया के संवाहक नजर आते है। संसार में जब जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है तथा समाज में अन्याय, शोषण और अत्याचार बढता है तब तब मानव जाति का कल्याण करने तथा सत्य धर्म की स्थापना करने के लिए निराकार

भगवान शिव संसार में अवतरित होते है और अपने साकार माध्यम द्वारा मनुष्य का उद्धार करते है। प्रजापिता ब्रहमा बाबा का जन्म इस पुनित कार्य के लिए हुआ था। सिन्ध के एक मध्यम वर्गीय परिवार में जब दिव्य विभूति दादा लेखराज का सन 1876 में जन्म हुआ था तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगे चलकर यही हस्ती एक महान समाजसुधारक मानवा मात्र का उद्धारक तथा अलौकिक व्यक्तित्व सिद्ध होगा। ब्रह्माबाबा आरम्भ से ही तीव्र बुद्धि,परिश्रमी तथा मदुभाषी थे। अपनी बौद्धिक कार्य कुशलता के फलस्वरूप वे एक छोटे व्यापारी से जवाहरातो के प्रसिद्ध व्यापारी बन गए।

डॉ.श्रीगोपाल नारसन

गौर वर्ण उन्नत ललाट,उंचे कद तथा सुगठित शरीर से युक्त उनका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली तो था ही व्यवहार कुशल तथा मानव मात्र के प्रति सहृदय होने के कारण व ओर भी आकर्षक हो गया। हीरे के व्यापार के सिलसिले में उनका अनेक राजाओं तथा अमीरों से सम्पर्क हुआ लेकिन उनमें कभी अहम की भावना नही आई। अपने निश्चल,विन्रम स्वभाव,शिष्टाचार पूर्ण व्यहार तथा ईमानदारी के कारण अपने ग्राहको में वे न केवल लोकप्रिय थे बल्कि उन्हे बेहद सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। उन्हे श्रद्धा और स्नेह से सब दादा कहते थे। लगभग 60 वर्ष की आयु तक लौकिक ग्रहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए दादा ने धन दौलत के साथ साथ खूब शोहरत हासिल की। सगे सम्बन्धियों तथा समाज के बीच उनका स्थान बडा प्रतिष्ठा पूर्ण रहा।अपनी दानवीरता और उदारता के कारण वे लोगो और संस्थाओं में लोकप्रिय रहे। लेकिन लौकिक तरक्की के चरम शिखर पर पहुंचने के बाद अचानक उन्हे भौतिक वस्तुओं से विरक्ति का अनुभव होने लगा। वे अन्तर मुख एकान्त में चिन्तन और मनन करने लगे।दादा लेखराज को दिव्य साक्षात्कार होने लगे। एक बार परमपिता परमात्मा शिव का ,उसके पश्चात कलियुगी सृष्टि के भावी विनाश और फिर भविष्य की दुनिया के साक्षातकारों ने उनके जीवन में नया मोड ला दिया। उन्होने अपना सारा व्यवसायिक कारोबार बन्दकर अपनी समस्त अर्जित सम्पत्ति ईश्वरीय ज्ञान के प्रचार प्रसार में लगा दी और संत्सग के लिए ओम मण्डली का निर्माण किया। धीरे धीरे उनका प्रचार प्रसार इतना अधिक बढा कि सभी वर्ग की महिलाये पुरूष उनका लाभ उठाने लगे। जहां काम,क्रोध,मोह,लोभ और अहंकार रूपी विकारो पर विजय पाकर सात्विक जीवन जीने के उपदेश दिये जाते थे। अब दादा के मुख से ही परमपिता परमात्मा शिव ने अपने इस साकार माध्यम को प्रजापिता ब्रहमा का नाम दिया। ब्रहमा बाबा अनुभव कराते कि आध्यात्मिकता के रास्ते राजयोग से दिमाग शान्त और प्रसन्नचित होता है। राजयोग से विक्रमों यानि विकारों को समाप्त करने में मदद मिलती है। राजयोग करने से शरीर और दिमाग में खास तरह का परिवर्तन होता है।जो मनुष्य के लिए सुखकारी है और वह स्वंय को परमात्मा के निकट महसूस करता है। ब्रहमा बाबा की वाणी में शिव एक ऐसी परम शक्ति है जो इस लौकिक एवं अलौकिक दुनिया की पालक है। यूं तो शिव एक ज्योतिपुंज है जिसे परमात्मा के रूप में स्वीकारा जाता है। हर धर्म में भगवान को प्रकाश रूप में माना गया है। मुस्लमान इसे नूर ए इलाही कहते है तो इसाई धर्म से जुडे लोग इसे लाईट आफ गॉड कहते है। जबकि सिख धर्म में इसे सतनाम कहकर पुकारा गया है। इसी तरह आर्य समाजी भगवान को निराकार रूप में मानकर साधना करते है। यानि ओम, अल्लाह और ओमेन एक ही परम शक्ति के नाम है। जिसे हम सब ईश्वर मानते है। लेकिन सर्व धर्मो में हिन्दू धर्म में एक मात्र भगवान शिव ही ऐसे है जिनकी देवचिन्ह के रूप में शिवलिगं की स्थापना कर पूजा की जाती है। लिगं शब्द का साधारण अर्थ चिन्ह अथवा लक्षण है। चूंकि भगवान शिव ध्यानमूर्ति के रूप में विराजमान ज्यादा होते है इसलिए प्रतीक रूप में अर्थात ध्यानमूर्ति के रूप शिवलिगं की पूजा की जाती है। आध्यात्मिक दृष्टि में ब्रहमाकुमारीज मिशन परमात्मा शिव को परमसुख प्राप्ति का आधार मानता है।

सरदार पटेल: एकीकृत भारत के निर्माता

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी।

(सरदार पटेल स्मृति दिवस (15 दिसम्बर) पर विशेष)

राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और

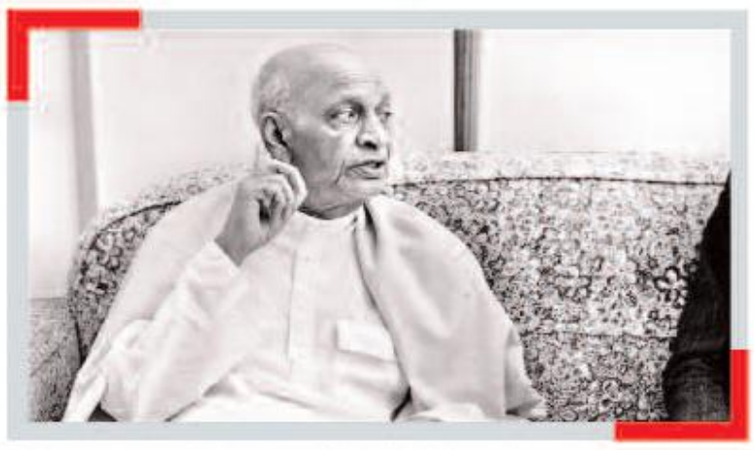

बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

राजकाज

भाजपा का यादवी ब्रह्मास्त्र यादव समाज का विभीषण कौन

भाजपा यादवबाद को लेकर बड़ी चिंतित है। मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव पिछले 30 वर्षों से यादव की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा 2014 से ही यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी कर रही है।बिहार उत्तर प्रदेश झारखंड में बहुत बड़ी आबादी यादवों की है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने यादव ब्रह्मास्त्र को छेड़ दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में राजद के रामकृपाल यादव को भाजपा में लेकर आए थे।उन्होंने मीशा भारती को चुनाव मे हराया था। उन्हें केंद्र में मंत्री बना दिया गया।2015 के विधानसभा चुनाव में बिहार में बहुत सारे यादव उम्मीदवार विधानसभा मे उतारे। नित्यानंद राय यादव है।उन्हें भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया।

चुनाव पहले या पूर्ण राज्य पहले?

जम्मू कश्मीर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने धारा 370 का फैसला दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर के पहले जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने के निर्देश सरकार को दिए हैं। वही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की बात भी कही है। पहले आप पहले आप में कौन सा काम पहले होगा। कौन सा बाद में होगा। इसको लेकर अब अटकलों का दौर चल पड़ा है। राजनीतिक दल चाहते हैं, कि राज्य का दर्जा पहले बहाल किया जाए। उसके बाद चुनाव कराए जाएं। वहीं सरकार चाहती है, कि चुनाव पहले हो जाएं,बाद में सरकार बहाल करें। सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा नहीं देकर विवाद को और बढ़ा दिया है।

जेडीएस टूटेगी या कांग्रेस,या दोनों टूटेगी?

लोटस अभियान के तहत कर्नाटक में गठबंधन की सरकार गिरी थी। अभी विधानसभा के चुनाव हुए हैं। कांग्रेस पार्टी को 136 सीटें मिली है।जो बहुमत से बहुत ज्यादा है।उसके बाद भी जिस दिन से कांग्रेस की सरकार बनी है।यह कहा जा रहा है, कि कांग्रेस में जल्द ही टूट-फूट होगी। लोटस अभियान चलेगा और भाजपा समर्थित सरकार बनेगी। विधानसभा चुनाव के बाद से ही एचडी देवगौड़ा की पार्टी जेडीएस के विभाजन की खबरें भी बड़ी जोर शोर से आ रही हैं। यह कहा जा रहा है, कि जेडीएस के 19 विधायक कांग्रेस में चले जाएंगे।भाजपा के तोड़फोड़ अभियान को लोटस का नाम मिला है। जेडीएस में तोड़फोड़ करके यदि जेडीएस के विधायक कांग्रेस में जाते हैं।

बुआ भतीजे के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए तैयार?

2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा अकेले लड़ी थी।उसे एक भी सीट नहीं मिली। 2019 में सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ी, 10 सीटें मिल गई।उसके बाद बुआ और भतीजे में तकरार हुई, और विधानसभा चुनाव बुआ ने अकेले लड़ा। विधानसभा चुनाव में उन्हें मात्र एक सीट मिली। वोट बैंक भी घटकर 12।88 पर रह गया।अब लोकसभा चुनाव 2024 होना है। राहुल गांधी के साथ दानिश अली का याराना बढ़ रहा था। उन्होंने दानिश अली को पार्टी से निकाल दिया, और सपा को मैसेज दे दिया है, कि वह सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ना चाहती हैं।

फीचर

मध्यप्रदेश में सन फार्मा ने सीनियर एग्जीक्यूटिव ने वैकेंसी निकाली

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड में सीनियर एग्जीक्यूटिव के पोस्ट पर वैकेंसी निकाली है। यह पोजिशन कॉर्पोरेट अफेयर्स डिपार्टमेंट के तहत आती है।

इस पोस्ट पर शॉर्टलिस्ट किए गए कैंडिडेट के ऊपर नई दवाओं के क्लिनिकल ट्रायल आदि की जिम्मेदारी होगी।

रोल और रिस्पॉन्सिबिलिटी: CMC डॉक्यूमेंट्स/CT-BE डॉक्यूमेंट्स आदि जैसे विभिन्न डॉक्यूमेंट्स की समीक्षा के बाद नई दवाओं के क्लिनिकल ट्रायल (CT), बायोइक्विवैलेंस (BE) स्टडी, मैनुफैक्चरिंग और मार्केटिंग की अनुमति प्राप्त करने के लिए भारतीय रेगुलेटरी अथॉरिटी को एप्लिकेशन करना। रेगुलेटरी अथॉरिटी को एप्लिकेशन फाइल करने के लिए डॉसियर को कंपाइल करना। लिटरेचर रिसर्च करना ताकि नई दवाओं की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर तर्क तैयार किया जा सके।

लेबल या कार्टन के ड्राफ्ट नमूने को रिव्यू करना।

प्रिस्क्राइबिंग इंफॉरमेशन तैयार करना।

फार्माकोपिया में किसी भी अपडेट को रिव्यू करना और उसके अनुसार किसी भी अपडेट के मामले में कंपनी के प्रोडक्ट पर पड़ने वाले इफेक्ट की जांच करना।

पर्मिशन और प्रेस्क्राइबिंग इंफॉर्मेशन आदि जैसी जरूरी जानकारी प्रोवाइड करके ग्लोबल फार्माकोविजिलेंस का सपोर्ट करना।

किसी भी फार्माकोपिया में किसी भी प्रकार के अपडेट को ट्रैक करना।

शैक्षिणक योग्यता -इस पोस्ट पर अप्लाय करने वाले कैंडिडेट के पास किसी भी फील्ड में रू Pharm की डिग्री होनी चाहिए।

प्रेरणा

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी ! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

अपनी बात

जेडीयू सांसद गिरधारी यादव ने कहा है कि सुरक्षा में लगा स्टाफ कॉन्ट्रेक्ट बेस पर है। उनकी सैलरी बहुत कम है। इसकारण वहां रुपये लेकर किसी भी बाहरी को अंदर कर देते हैं। अगर ऐसा ही हाल रहा तब कोई किसी भी सांसद को उठा ले जाएगा। एक ओर मोदी सरकार ने कहा कि संसद पूरी तरह सुरक्षित है, दूसरी ओर इंडिया गठबंधन का कहना है कि सरकार संसद की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।

कांग्रेस नेता कर्ण सिंह का कहना है कि जो बीत गया सो बी गया, अब तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। केंद्र सरकार शासित राज्य नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य के लिए चुनाव होने चाहिए। महाराजा हरि सिंह के बेटे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए।

पेट्रोल-डीजल सहित आवश्यक सामग्रियों के परिवहन में कोई बाधा न हो, सीएम मोहन यादव के निर्देश

- कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

- मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने बस, ट्रक ड्रायवरों की हड़ताल

- कमिश्नर, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ की बैठक

भोपाल

प्रदेश में बस और ट्रक ड्रायवरों की हड़ताल से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहे प्रभाव और आमजन को हो रहे परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने मंगलवार को कमिश्नर, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंस की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेट्रोल-डीजल सहित आवश्यक सामग्रियों के परिवहन में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

कोई पेट्रोल पंप संचालक यदि पेट्रोल-डीजल देने में आनाकानी करता है या कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो कड़ी कार्रवाई करें। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से जिलों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति को लेकर व्यवस्था की जा रही है। आपूर्ति लगातार हो रही है पर हड़ताल की स्थिति के कारण लोग ज्यादा पेट्रोल-डीजल लेकर रख रहे हैं। ग्वालियर में बायपास पर आठ टैंकर रोक लिए थे, जिन्हें निकलवाया गया है।

जबलपुर में एक साथ कई टैंकर निकलवाए गए हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साथ कई वाहनों के स्थान पर कम-कम वाहन निकाले जाएं। दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं की आपूर्ति बाधित नहीं होना चाहिए। हड़ताल की आड़ में कालाबाजारी न हो, इस पर भी ध्यान रखें।

सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मैदान में उतरें और कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। बैठक में अधिकारियों ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार इस मामले में सभी पक्षों से चर्चा कर रही है। प्रदेश की स्थिति के बारे में जानकारी भी दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में कमिश्नर, कलेक्टर और एसपी के साथ वीसी के माध्यम से ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के मद्देनजर किए जा रहे आवश्यक उपायों की जानकारी प्राप्त की एवं जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नागरिकों को आवश्यक सामग्री के लिए परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं।

बैरसिया के ड्राइवरों ने खत्म की हड़ताल, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

यूनियन ने दो दिवसीय शांतिपूर्ण हड़ताल की थी

31 दिसंबर से दो जनवरी को दोपहर 12 बजे तक जारी रही

इसके बाद हड़ताल को समाप्त कर दिया गया है

भोपाल

हिट एंड रन के नये प्रविधान के विरोध में जिले के ड्राइवरों द्वारा हड़ताल की जा रही है। दूसरे दिन मंगलवार को भी बस-ट्रक के पहिये थमे रहे। जिससे कई तरह की समस्याएं खड़ी हो गई हैं। इसी बीच मध्यप्रदेश चालक -परिचालक यूनियन बैरसिया के ड्राइवरों ने हड़ताल खत्म करने का ऐलान कर दिया है। इसके लिए उन्होंने एसडीएम बैरसिया विनोद सोनकिया को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्होंने बताया है कि हड़ताल खत्म करने के बाद कोई भी घटना या विवाद होता है तो वह उसके जिम्मेदार नहीं होंगे।

जानकारी के अनुसार यूनियन के उपाध्यक्ष मुकेश यादव ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि यूनियन ने दो दिवसीय शांतिपूर्ण हड़ताल की थी जो कि 31 दिसंबर से दो जनवरी को दोपहर 12 बजे तक जारी रही। इसके बाद हड़ताल को समाप्त कर दिया गया है।अब इसके बाद यदि किसी प्रकार की कोई घटना आम जनता या किसी के द्वारा कोई घटना,दुर्घटना ,वाहनों में तोड़फोड़ की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी यूनियन की नहीं होगी। बता दें कि भोपाल सहित पूरे प्रदेश में बस-ट्रक के ड्राइवर सरकार के हिट एंड रन के नये प्रविधान 10 वर्ष की सजा और सात लाख जुर्माना के विरोध में हड़ताल कर रहे हैं।

सुभाष नगर से करोंद तक यूआरसी बनाएगी 5.35 किमी एलिवेटेड कारिडोर

भोपाल

प्रथम चरण में एम्स से करोंद तक 14 किलोमीटर मेट्रो की आरेंज लाइन बिछाई जाएगी। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक सात किलोमीटर के एलिवेटेड कारिडोर का काम 90 प्रतिशत पूरा हो गया है। जबकि सुभाष नगर से करोंद के बीच मेट्रो कारिडोर बनना है। इसमें पातरा पुल से सिंधी कालोनी तक भूमिगत कारिडोर बनेगा। जबकि सुभाष नगर से करोंद तक दो टुकड़ों में 5.35 किलोमीटर एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण होगा। इसके लिए यूआरसी कंस्ट्रक्शन को ठेका मिला है। इस कारिडोर छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन भी बनेंगे। एलिवेटेड कारिडोर और स्टेशन बनाने में 596 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बता दें कि सुभाष नगर से करोंद तक एलिवेटेड कारिडोर बनाने के लिए पांच कंपनियों ने निविदा डाली थी।

इसमें यूआरसी कंस्ट्रक्शन का टेंडर फायनल हो गया। इसमें एलिवेटेड कारिडोर, मेट्रो स्टेशन और बोगदापुल के पास इंटरचेंज स्टेशन का निर्माण करना है। हालांकि मेट्रो कंपनी ने 3.39 किलोमीटर भूमिगत कारिडोर और रत्नागिरी तिराहे से भदभदा तक 12.91 एलिवेटेड कारिडोर के निर्माण के लिए भी टेंडर जारी कर दिया है। इसमें इच्छुक कंपनियों ने बिड भी डाली है, लेकिन अब तक खोली नहीं गई।

दो टुकड़ों में होगा एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण

एलिवेटेड कारिडोर को उत्तरी और दक्षिणी दो भागों में बांटा गया है। इसमें दक्षिणी भाग में सुभाष नगर से बोगदापुल के बीच 1.62 किलोमीटर की दूरी पर दो मेट्रो स्टेशन होंगे। इसके बाद मेट्रो भूमिगत कारिडोर में प्रवेश करेगी। जबकि सिंधी कालोनी से मेट्रो फिर एलिवेटेड कारिडोर पर आएगी। यहां सिंधी कालोनी से करोंद तक 3.72 किलोमीटर का उत्तरी भाग होगा। बीच में चार मेट्रो स्टेशन होंगे।

जनवरी के दूसरे सप्ताह में आएगी मेट्रो की दूसरी रैक

प्रथम चरण में 27 मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसके लिए पहली मेट्रो भोपाल आ गई है। उससे सेफ्टी ट्रायल किया जा रहा है। जबकि दूसरी मेट्रो भी जनवरी के दूसरे सप्ताह में आ जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी तक मेट्रो की दूसरी खेप भोपाल पहुंच जाएगी।

पातरा पुल के पास आरा मिल से सिंधी कालोनी तक 3.39 किलोमीटर का मार्ग भूमिगत होगा। इसके लिए जमीन के 20 मीटर नीचे टनल बनाई जाएगी। भूमिगत मार्ग में भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के पास दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इनको इस प्रकार से तैयार किया जाएगा, कि बिना परिसर से बाहर निकले यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड में प्रवेश कर सकेंगे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल

कलेक्ट आशीष सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने न केवल मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में आये नागरिकों से लगभग 68 आवेदन प्राप्त हुए।

कल से चलेंगी स्कूल एवं सिटी बसें

भोपाल

आयुक्त भोपाल संभाग डॉ. पवन शर्मा की अध्यक्षता में सिटी बस संचालकों एवं स्कूल बस संचालकों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायण चारी मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक में सिटी बस संचालकों एवं स्कूल बस संचालकों के साथ चर्चा कर संभाग आयुक्त डॉ. शर्मा ने निर्देश दिये कि कल से स्कूल एवं सिटी बसें चलाई जाये।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में ऑपरेटर्स से कहा कि आप निश्चिंत होकर बसें चलायें। प्रशासन एवं पुलिस का आपको संपूर्ण सहयोह रहेगा। उन्होंने कहा कि सीटी, स्कूल बस के चलने में यदि किसी ने व्यवधान उत्पन्न किया तो उस पर रासुका की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही उन्होंने यह बात भी कही कि निर्देश का पालन न करने पर संबंधित ऑपरेटर के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी एवं ड्राइवर का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

नाबालिग ने फांसी लगाकर जान दी, तीन बार हो चुकी थी दसवीं में फेल

भोपाल

हबीबगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग ने अपने घर में फांसी लाग कर जान दे दी। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह दसवीं कक्षा में तीन बार फेल हो चुकी थी। इधर, मृतक के स्वजनों ने घटनाक्रम के बारे में काफी देर से सूचना दी है, स्वजन कारण बता नहीं रहे हैं। पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है, इसके पीछे सूचना देने में देरी बताई जा रही है।

एसआई कमल सिंह ने बताया कि बारह नंबर मल्टी निवासी रिया ओसवाल (16) पिछले साल दसवीं की परीक्षा में फेल हो गई थी, उससे पहले भी इसी परीक्षा में शामिल हुई थी और अनुतीर्ण हो चुकी थी।। इस कारण परिजनों

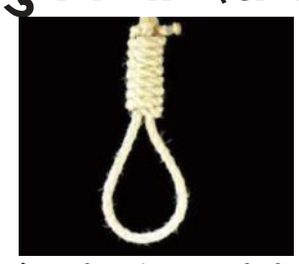

ने उसकी पढ़ाई बंद करा दी थी। माता-पिता और दो भाई निजी काम करते हैं। सोमवार को रिया घर पर अकेली थी, तभी उसने पंखे से रस्सी का फंदा बांध कर फांसी लगा ली। शाम करीब छह बजे मां के घर लौटने पर घटना का पता चला। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से लड़की को फंदे से उतार कर अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस डाक्टरों ने इस मामले में शव की जांच कराई गई है।

महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी

भोपाल। मिसरोद इलाके में एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी, उसने यह कदम क्यों उठाया,पुलिस उसकी जानकारी जुटा रही है।मिसरोद थाना के एसआई अयोध्या प्रसाद यादव ने बताया कि इंद्रा नगर जाटखेड़ी मल्टी निवासी राखी पति विशाल (25) गृहणी थी।

सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे उसका अपने पति विशाल से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई था। इसके बाद पति घर के बाहर चला गया। इसी दौरान महिला ने अपने घर में पंख से दुपट्टे का फंदा बांधकर फांसी लगा ली। पुलिस को मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में जांच जारी है।

निगम अधिकारियों में कसावट से 20% राजस्व वसूली बढ़ी

अब 550 करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा करने बकायादारों पर होगी सख्ती

अवकाश वाले दिन वसूले सात करोड़ रुपये

तीन माह में वसूलना होगा 200 करोड़ रुपये

भोपाल

नगर निगम आर्थिक तंगी से गुजर रहा है, जिसकी वजह से सड़क, नाली, जलापूर्ति और सफाई समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं प्रभावित हो रही है। इससे उबरने के लिए नगर निगम को राजस्व वसूली बढ़ाने की जरुरत है। ऐसे में नगर निगम ने बकायादारों से संपत्तिकर और जल उपभोक्ता प्रभार समेत अन्य करों को वसूलने के लिए सख्त रवैया अपना रहा है।

बता दें कि नगर निगम में 2023-24 वित्तीय वर्ष के लिए 550 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। जिसे मार्च 2024 से पहले पूरा करना है। इसको लेकर राजस्व शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों से निरंतर फीडबैक लिया जा रहा है। कमजोर वसूली करने वाले जोनल और वार्ड प्रभारियों पर कार्रवाई की जा रही है। जिसके चलते बीते वित्तीय वर्ष की अपेक्षा इस बार दिसंबर 2023 तक निगम 20 प्रतिशत यानि करीब 50 करोड़ रुपये अतिरिक्त वसूली कर चुका है। हालांकि मार्च 2024 से पहले 550 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने के लिए बकायादारों के संपत्तियों की कुर्की और नीलामी करने की योजना बनाई जा रही है। कुछ स्थानों में कुर्की की कार्रवाई की गई है, जिससे राजस्व वसूली में बढ़ोत्तरी हुई है।

अवकाश वाले दिन वसूले सात करोड़ रुपये

संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार और ठोस अपशिष्ठ प्रभार समेत अन्य करों को वसूलने के लिए अवकाश वाले दिन यानि शनिवार और रविवार को भी कार्यालय खोले गए थे। इन दिनों में भी रिकार्ड वसूली की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष खत्म होने से पहने 30 व 31 दिसंबर को सात करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नगर निगम को मिला है।

तीन माह में वसूलना होगा 200 करोड़ रुपये

नगर निगम संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ठ प्रभार, सीवेज शुल्क, भवन अनुज्ञा, व्यवसायिक लायसेंस और पार्किंग समेत अन्य मदों में करीब 350 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली एक अप्रैल 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक की गई है। जबकि बचे हुए तीन माह में निगम को लक्ष्य पूरा करने के लिए 200 करोड़ रुपये वसूलना होगा।

ओडिशा से भोपाल ट्रेन से लाया जा रहा था गांजा, क्राइम ब्रांच ने एक महिला समेत दो किया गिरफ्तार

भोपाल

क्राइम ब्रांच ने एक महिला समेत दो मादक पदार्थ तस्कर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से पुलिस ने चार किग्रा गांजा बरामद किया गया है।आरोपित सस्ते दामों पर ओडिशा से गांजा लेकर भोपाल ला रहे थे। बाद में उसे टुकड़ों में बेचने की तैयारी थी।

पुलिस ने आरोपितों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपितों पर एफआइआर दर्ज की है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक एक लडका एवं महिला दोनो अपने अपने हाथ मे प्लास्टिक की थैली लिय मजार के पास पुष्पम अपार्टमेंट के पीछे पटरियो के पास मंगलवारा देखे गए थे, उनकी गतिविधियां संदिग्ध थी, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर दोनों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया।जहां उनके पास प्लास्टिक के बैग से गांजा बरामद किया गया।

आरोपितों की पहचान रेल्वे केविन के पास अटल अय्युब नगर थाना गौतम नगर 32 वर्षीय दीपक कुचबंदिया के रूप में हुई। उसके साथ् संदेही हबीबगंज निवासी 25 वर्षीय रीना उईके के रूप में हुई। आरोपित दीपक 10 वीं पास है और मजदूरी करता है और रीना शादियों में खाना परोसने का काम करती है। आरोपित ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने अपने साथियों की मदद से ओडिशा से सस्ते दाम पर गांजा खरीदा था और उसे ट्रेन से मंगाया था, उसे ट्रेन से उतारने के बाद वह ठिकाने की लगाने की तैयारी में थे, उससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए ।

किसान अब अपनी फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से कर सकेंगे दर्ज

भोपाल। "मेरी गिरदावरी- मेरा अधिकार" में अब किसान निश्चिंत होकर अपनी फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा।

मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में किसान को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है कि वे अपने खेत से ही स्वयं फसल की जानकारी एमपीकिसान एप पर दर्ज कर अपने आप को रजिस्टर सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एप पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा आपत्ति आप्शन पर क्लिक कर अपने खेत को जोड़ सकते हैं। खाता जोड़ने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला/तहसील/ग्राम/खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोड़ा जा सकता है। खाता जोड़ने के बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर ए आई के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी। किसान के सहमत होने पर एक क्लिक से फसल की जानकारी को दर्ज किया जा सकेगा। संभावित फसल की जानकारी से असहमत होने पर खेत में बोयी गई फसल की जानकारी खेत में उपस्थित होकर लाइव फोटो के साथ दर्ज की जा सकती है।

चालकों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, जनजीवन अस्त-व्यस्त, दूध-सब्जी के लिए परेशान हुए लोग

भोपाल

हिट एंड रन कानून के विरोध में चालकों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी है। इसके चलते यात्री बसों और ट्रकों के पहिए थमे हुए हैं। उधर, मंगलवार से स्कूल बस व वैन के चालक भी हड़ताल में शामिल गए। इससे सुबह-सुबह अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए परेशान होना पड़ा। ड्राइवरों की हड़ताल के चलते कई स्कूलों में छुट्टी भी घोषित कर दी गई है।

उधर, चालकों की हड़ताल से पेट्रोल-डीजल समेत आम जरूरतों की चीजों की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। सोमवार की तरह मंगलवार को भी सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतार लगी है। उधर, सोमवार रात को पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति के प्रशासन के दावे के बाद भी कई पेट्रोल पंप मंगलवार सुबह से ही सूखे नजर आए। इसके चलते अपने वाहनों में पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए पहुंचे लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ा। हड़ताल कर रहे चालकों के अनुसार तीन दिनों तक यह हड़ताल रहेगी। ऐसे में गांवों और दूसरे शहरों से आने वाले सामान की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है। कई जगहों पर दूध और किराना सामान भी नहीं पहुंच पा रहा है।

निजी वाहनों का सहारा

उधर, नगर सेवा की भी बसें नहीं चलने के कारण बड़ी संख्या में लोग सुबह अपने दोपहिया वाहनों से कार्यस्थलों की ओर निकले। राजधानी से सटी औद्योगिक नगरी मंडीदीप की ओर जाने वाले मार्ग पर आम दिनों के मुकाबले कई गुना ज्यादा दोपहिया वाहन नजर आए।

सब्जी, दूध की किल्लत

हड़ताल के चलते मार्केट में सब्जी सहित अन्य खाद्य सामग्रियों की किल्लत हो गई, जिससे इनके दाम भी बढ़ गए। हालांकि जिला प्रशासन, नगर निगम, दुग्ध् संघ सहित अन्य विभागों के अधिकारी व्यवस्थाओं को नियंत्रण में करने का दावा कर रहे हैं।

लोग हुए परेशान

व्यापारियों के अनुसार मंगलवार को ट्रक नहीं पहुंचे, लेकिन किसान जिनके पास खुद के वाहन हैं वही मंडी आए हैं। इसके चलते 70 प्रतिशत से अधिक सब्जी की आवक पर फर्क पड़ा है। वहीं सांची दूध के ड्राइवरों ने आने के लिए भी मना कर दिया है। जिसको लेकर दुग्ध महासंघ ने अलग से ड्राइवरों की व्यवस्था की है। बताया जा रहा है कि भोपाल में दूध की 30 प्रतिशत आपूर्ति प्रभावित हुई है। सांची और अमूल दूध की आपूर्ति जारी है। दुग्ध संघ ने नगरीय वाहनों के जरिए दूध इकट्ठा कर फैक्ट्री तक लाया गया है। कुछ क्षेत्रों में दूध नहीं पहुंचने से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

शहर में 500 से ज्यादा मिल्क पार्लर

राजधानी में लगभग 500 सांची दूध पार्लर है और हर दिन करीब ढाई लाख लीटर की खपत होती है। वहीं, अमूल दूध की खपत 70 हजार लीटर प्रतिदिन है। खुले दूध की खपत प्रतिदिन लगभग आठ लाख लीटर तक है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि दुग्ध संघ से आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए नगर निगम के ड्राइवरों को जिम्मा सौंपा गया है।

सब्जी-किराना व्यापार भी प्रभावित

करोंद मंडी में बाहर से आने वाले सब्जियों और फलों के वाहन नहीं पहुंचे हैं, इस वजह से दामों पर असर पड़ सकता है। वहीं भोपाल के थोक बाजारों से आसपास के 200 किमी के दायरे में किराना सामान की आपूर्ति होती है। हड़ताल के पहले दिन 50 प्रतिशत आपूर्ति पर असर पड़ा था। भोपाल व्यापारी महासंघ के महासचिव अनुपम अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को मालवाहक लोडिंग वाहन एवं ट्रक नहीं चले हैं। यह मंगलवार को भी नहीं आए हैं हालांकि हमारे पास अभी स्टाक है, अगर सप्ताह भर से अधिक हड़ताल चलती है तो किराने के सामान की दिक्कत हो सकती है। वहीं लोडिंग आटो चालकों का कहना है कि ऊपर से कोई निर्णय आने के बाद ही वह गाड़ी निकालेंगे।

बीआरटीएस कारिडोर की रेलिंग से टकराई बाइक, युवती की मौत

भोपाल

नर्मदापुरम रोड पर बीआरटीएस कारिडोर की रेलिंग से एक तेज रफ्तार बाइक बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार युवती की मौत हो गई। वह अपने एक दोस्त के साथ न्यू ईयर पार्टी से वापस घर लौट रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

मिसरोद थाने प्रधान आरक्षक दीपक कुमार ने बताया कि प्रेम नगर नारियखेड़ा निवासी अनामिका काकोड़िया(19) सोमवार तड़के करीब सवा चार बजे अपने साथी उमेश तिवारी के साथ बाइक पर बैठकर मंडीदीप की ओर से घर लौट रही थी। वे दोनों नर्मदापुरम रोड पर बने बीआरटीएस कारिडोर के पास पहुंचे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और इससे बाइक पर पीछे बैठी अनामिका उछलकर कारिडोर की लोहे की रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में युवती के सिर में गंभीर चोट लगी। उसे लहूलुहान अवस्था में जय प्रकाश अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके साथी युवक को हादसे में मामूली चोट आई है। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी अधिक थी, जिस वजह से हादसा हो गया।

मबीआरटीएस कारिडोर में रात के समय दिन से भी ज्यादा वाहन फर्राटा भरते नजर आते हैं। बताया जा रहा है कि बाइक का अनियंत्रित होने का कारण भी कारिडोर में चल रही एक कार थी। कार से बचने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित हो गई। पुलिस पूरे घटनाक्रम का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

संक्षिप्त समाचार

02 लाख 50 हजार की अवैध मदिरा जप्त, 03 गिरफ्तार

खरगोन। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में कसरावद वृत द्वारा 03 जनवरी को सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बसंत भीटे के नेतृत्व में अवैध मदिरा वि ेताओं के विरूद्ध कार्यवाही की है। आबकारी दल ने वृत कसरावद के ग्राम भोईंदा, कठोरा तथा निमरानी में दबिश देकर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मालवीय द्वारा 34(1) क, च के 05 प्रकरण पंजीबध्द कर, 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अबकारी दल ने इन स्थानों से 80 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 14 केन बीयर तथा 2000 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया है। वहीं महुआ लहान का सेम्पल लेकर मौके पर नष्ट किया है। जप्त मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 02 लाख 50 हजार रुपए है। कार्यवाही में आबकारी आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे, संतोष वर्मा एवं रीता सिंगोरिया का सराहनीय योगदान रहा।

राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा खरगोन का लोकनृत्य दल

खरगोन। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव बुधवार को भोपाल के रविंद्र भवन में संपन्न हुआ। जिसमें खरगोन के लोक नृत्य दल ने लोकनृत्य विधा में 10 संभागों को हराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। आगामी 12 जनवरी से 16 जनवरी 2024 राष्ट्रीय युवा महोत्सव नासिक में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। लोक नृत्य दल में अनिल सोलंकी, आयुष डाबर, लंकेश देवले, शुभम यादव, सावन धनगर, लक्की मंडलोई, संवेदना पंढाणे, सानिया बारे, मुस्कान अमोदे, सविता जामोद, इशिका आर्से, उन्नति पटेल आदि प्रतिभागियों ने सहभागीता की। संभाग दल प्रभारी के रूप में लीना श्रीवास, पंकज बर्डे व अनिता हिरवे उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी पवी दुबे, कोच सत्यवीर पुरोहित, यूएस रावत, ज्योतिबाला रावत, राजेंद्र पाटीदार, मुरलीधर खोड़े आदि ने दल को बधाई दी।

ग्राम निमहा एवं भाद में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम सम्पन्न

अनूपपुर। अनूपपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत निमहा एवं भाद में मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्य म संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री नरेन्द्र मरावी, जिला पंचायत सदस्य सुश्री भारती केवट एवं सासंद प्रतिनिधि श्री अमृतलाल केवट, जनपद अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह, जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री ऊषा किरण गुप्ता, श्री मुरली गौतम, श्री नागेंद्र बरगाही, श्री शिवभान सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकरी दी गई। कार्य म में स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्य म की प्रस्तुति दी गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा आईईसी वैन द्वारा एलईडी चलचित्र के माध्यम से योजनाओं पर केन्द्रित लघु फिल्म तथा लाभार्थियों के संदेश प्रसारित किए गए। ग्रामीणों के साथ क्विज प्रतियोगिता की गई।उसके पश्चात अथितियो द्वारा कार्य म को संबोधित करते हुए केन्द्रीय एवं राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा ग्रामीणों से पात्रतानुसार लाभ लेने की अपील की गई। हितग्रहियों को हितलाभ का वितरण एवं क्विज प्रतियोगिता विजेता को पुरस्कार वितरण किया गया।

नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देंगे : आयुक्त

निगमायुक्त आशीष पाठक ने पदभार ग्रहण किया

उज्जैन। निगम के प्रचलित कार्यों को जारी रखते हुए नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता में रखा जाएगा। यह बात नवागत निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने कही। बुधवार को नगर निगम आयुक्त पद का पदभार ग्रहण करते हुए आपने कहा कि शासन की जो योजनाएं नगर निगम के माध्यम से क्रियान्वित हो रही हैं उन्हें गति प्रदान की जाएगी और प्रयास किया जाएगा कि अधिकाधिक हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने कहा कि जो निर्माण ओर विकास कार्य प्रचलित हैं उन्हें जारी रखा जा कर उनका निरीक्षण, परीक्षण करते हुए प्रक्रिया में अपेक्षित सुधार करते हुए कार्यो को गति प्रदान की जाएगी।

नगर हित और जनहित में पूर्णत: सकारात्मक रहते हुए शासन की मंशानुसार कार्य सुनिश्चित किये जाए। प्रयास किये जाएंगे कि इस नगर की प्रतिष्ठा मुख्यमंत्री जी के गृह नगर के मान से स्थापित हो श्री पाठक ने कहा कि निगम के अधिकारी, कर्मचारी और ठेकेदार विश्वास, समर्पण और सकारात्मकता के वातावरण में कार्य करें। हम समय-समय पर आपस में मिल बैठ कर चर्चा करते रहेंगे।

जनवरी को मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मुख्य आतिथ्य में महाकाल लोक के निर्माण कार्यो ''प्रसादम'' और अवन्तिका हाट बाजार का लोकार्पण किया जाना है। इस संबंध में कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरीक्षण के साथ एक बैठक ली जाकर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि लोकार्पण कार्यक्रम मा. मुख्यमंत्री जी के अनुरूप गरिमापूर्ण होना चाहिए। लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मीलित होने वाले नागरिकों की क्षमता अनुसार शामियाना, बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग इत्यादि समुचित व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से की जाना सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय होगा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ्य फूड स्ट्रीट (प्रसादम) तथा अवंतिका हाट बाजार का लोकार्पण महाकाल लोक के पार्किंग स्थल क्षेत्र में किया जाना है। ईट राईट इण्डिया योजना के तहत लोगों के लिए सुरक्षित, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यहां पर स्वच्छ भोजन, नाश्ता, पानी इत्यादि उपलब्ध कराए जाने के लिए दुकानों का निर्माण किया गया है। महाकाल दर्शन हेतु पधारने वाले श्रृद्धालुओं को यहां समुचित सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी उन्हें भोजन, नाश्ते इत्यादी के लिए महाकाल लोक से बाहर नही जाना पड़ेगा। इसी के साथ अवंतिका हाटा बाजार में सुमुचित व्यवस्थाएं किये जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए है।

आयोजन स्थल का निरीक्षण : कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के साथ 07 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम हेतु आयोजन स्थल का निरीक्षण किया गया एवं मंच, शामियाना, बैठक व्यवस्था इत्यादी आवश्यक समुचित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किए जाने एवं कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त श्री आशीष पाठक, जिला पंचायत सीईओ श्री मृणाल मीणा, महाकाल मंदिर प्रशासक श्री संदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुकुल अमरपाटन में मनाया गया वार्षिकोत्सव

माया विनीत पांडेय रही बतौर मुख्य अतिथि

अमरपाटन। हर की प्रतिष्ठित विद्यालय गुरुकुल एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल अमरपाटन मे वार्षिक उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। नन्हे छात्र- छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शक दीर्घा में बैठे जनप्रतिनिधियों का अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया। तो वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सत्र 2023- 24 में विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर विद्यालय, जिला, संभाग तथा राज्य का नाम रोशन करने पर मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति- पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष माया विनीत पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि महिला बाल विकास अध्यक्ष जिला सतना तारा विजय पटेल, अमरपाटन नगर परिषद सीएमओ सुषमा मिश्रा, प्राध्यापक डिग्री कॉलेज सतना पीके जैन, सामाजिक कार्यकर्ता सुभ्रा पीयूष कुमार जैन, नगर परिषद अमरपाटन अध्यक्ष समर सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप जलाकर के साथ किया गया। कार्यक्रम में मनमोहन प्रस्तुत देने वाले सभी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के संचालक मोहम्मद न्यामत- शाहीन परवीन द्वारा अतिथियों का स्वागत साल श्रीफल द्वारा किया गया। प्राचार्य सुषमा पटेल, आकाश बंसल सहित समस्त शिक्षकीय परिवार ने कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक वेशभूषा एवं कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगीता आयोजित

उज्जैन। कार्तिक मेला महिला सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्तर्गत बुधवार को सांस्कृतिक वेशभूषा एवं कबाड़ से जुगाड प्रतियोगीता आयोजित की गई। जिसमें निर्णायक श्रीमती सुनीता सूर्यवंशी, श्रीमती संध्या सोलंकी द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगीता में प्रथम गुनगुन सेन, द्वितीय छवि पोरवाल, तृतीय रेयांश कुशवाहा रही वहीं सांस्कृतिक वेशभूषा में प्रथम विश्वास ठाकुर (स्वयंसेवक) द्वितीय माही आंजना (भगवान राम का किरदार) तृतीय परिणीता जैन (झांसी की रानी) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में महिला सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक श्रीमती नीलम राजा कालरा, सहसंयोजक श्रीमती आभा कुशवाहा, श्रीमती राखी कड़ेल, प्रतियोगिता सचिव सुश्री सौम्या चतुर्वेदी उपस्थित रहे। कार्तिक मेला सांस्कृतिक मंच पर आज 04.01.2024 गुरूवार को महिला सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्तर्गत चेयर रेस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्तर्गत बाबा म्यूजिक ग्रुप द्वारा लाफ्टर नाईट एवं आर्केस्ट्रा तथा शिवाय म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सदाबहार गीतो की प्रस्तुती दी जाएगी।

रायपुर के शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय में जनसहयोग से श्रमदान द्वारा हुए कार्य

सालीचौका नरसिंहपुर। क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम रायपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुए उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचार शैक्षिक विकास में सहभागी बने है। अब इस कड़ी में विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कौरव द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते ग्राम के पालकों , समीपी ग्रामों के समाजसेवी, युवा एवं वृद्धजनों द्वारा भी विद्यालय के विकास में अहम योगदान दिया जा रहा है। गत दिवस उक्त सभी लोगो ने एकजुट होकर श्रमदान करते हुए विद्यालय के लगभग 750 वर्गफीट क्षेत्र में बेस लेंटर डलवाया। इस अवसर पर गजेंद्र कौरव ने बताया कि हमारे विद्यालय में हुए छात्र हितेषी कार्यो से ग्राम रायपुर सहित आसपास के ग्रामों के लोग प्रभावित है इसीलिए सभी लोग विद्यालय के विकास में श्रमदान संबंधी कार्यों को भी करवाते है । श्री कौरव ने बताया कि सभी के अथक प्रयास से अतिरिक्त समय अर्थात सुबह 9 बजे से शाम के 8 बजे तक असीमित समय देकर जन समुदाय की सहभागिता ,क्षेत्रीय समस्त बाल वृन्द, युवा, वयोवृद्ध महानुभाव , पूर्व छात्र छात्राएं एवं समस्त अध्ययनरत विद्यार्थियो उनके पिता पालक,क्षेत्रीय समाजसेवी महानुभाव एवं संस्था के समस्त शिक्षकों के समन्वित सहयोग से विद्यालय में सुन्दर नैसर्गिक उद्यान, वाटर फ़ाउंटेन,जन सहयोग से 3 बड़े टीन शेड, 2 बडे मंच, प्रार्थना सभागार, शिव जी मन्दिर,हनुमान जी मन्दिर, राधाकृष्ण जी दरवार, सरस्वती जी मन्दिर विभिन्न वाटिकाये जैसे- तुलसी वाटिका ,कबीर वाटिका, सूर वाटिका , एवं वनस्पति विज्ञान की शिक्षा हेतु विविध पेड़ पौधौ से युक्त बेहद आकर्षक सम्पूर्ण परिसर का निर्माण पूर्व में कराया गया था। विदित हो कि उक्त सम्पूर्ण कार्यों में विगत 14 वर्षों से लगातार संघर्षरत रहते हुये प्राचार्य गजेन्द्र कौरव ने विद्यालय को निजी विद्यालयो के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया है। इसके अलावा अनुशासन के मामले मे अत्यंत व्यवस्थित कार्यप्रणाली जिसमे सम्पूर्ण शाला परिवार के जूते चप्पल कक्षाओं से 100 मीटर दूरी पर रखने की परम्परा , सभी विद्यार्थी निर्धारित गणवेश,टाई ,बेल्ट,जूते ,मौजे,ब्लेजर से युक्त गणवेश में 17 ग्रामों से निरन्तर अध्ययन करने आते है। कक्षा 9वी से 12 वी तक संचालित 400 दर्ज संख्या वाला क्षेत्र का यह शासकीय विद्यालय जनसहयोग एवं प्राचार्य गजेन्द्र कौरव के असीम लगाव एवं अथक प्रयास

शासकीय आराजी को माफियाओं ने हड़पा, ईओडब्ल्यू में हुई शिकायत

मैहर। शासकीय आराजी को बड़े पैमाने में खुर्द बुर्द करने के कई मामले मैहर में आ चुके है,जिसे जिम्मेदारों ने हमेशा दबाया है,ऐसा एक मामला शासकीय आराजी मैहर के पिपरहट ग्राम का है आराजी मांक 25और 26 जो वर्ष 2010 तक शासकीय थी फिर अचानक निजी हो गई, किसके आदेश से हुई इसकी जानकारी आज तक राजस्व अधिकारियों को नही मालूम चला, शिकायतकर्ता अतुल शुक्ला ने बताया कि उनके द्वारा आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ रीवा कार्यलय में जाकर शिकायत सौंपी गई थी,जिसे संज्ञान लेते हुए 17/05/2023 को अनिल शर्मा उप पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल द्वारा राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन को पत्र लिखा गया था जिसमे जांच करवाने की बात कही गई, शिकायतकर्ता अतुल शुक्ला ने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत लगाए आवेदनों में जानकारी मिली थी कि उक्त आराजी शासकीय है जिसे फर्जी तरीके से खुर्द बुर्द किया गया है और निजी बना दिया गया जिसके दस्तावेज संलग्न करके शिकायत की गई थी,उक्त शिकायत में हुई जांच की जानकारी से शिकायतकर्ता आज भी अनजान है, वही उक्त आराजी को लेकर मैहर के कांग्रेस नेता प्रभात द्विवेदी ने भी एसडीएम मैहर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित में शिकायत सौंपी थी,जिस पर हुई जांच कार्यवाही से वो आज भी अनिभिज्ञ है,अब सवाल यह उठता है अगर उक्त आराजी नियम पूर्वक निजी बनी है तो जिम्मेदारों ने शिकायतकर्तायो से जानकारी क्यों छुपाई,और अगर फर्जी तरीके से शासकीय आराजी में फेरबदल किया गया है तो उन लोगो पर आज तक कार्यवाही क्यों नही हुई जिन्होंने शासन की आराजी को भी खुर्द बुर्द कर दिया।

ओएनडीसी के जरिये मध्यप्रदेश के कारीगरों को सीधा लाभ दिलाएंगे- राज्यमंत्री जायसवाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री ने कार्यभार ग्रहण कर विभागीय योजनाओं की जानकारी ली

अनूपपुर। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने मंत्रालय में अपने कक्ष में विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने विभागीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और संचालित योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्री ललित दाहिमा, आयुक्त रेशम श्री मदन नागरगोजे, आयुक्त हथकरघा, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड एवं मध्यप्रदेश संत रविदास हस्तशिल्प विकास निगम की प्रबंध संचालक श्रीमती सूफिया फारूकी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अवर सचिव श्री जी.एस. आर्य सहित अन्य विभागीय अधिकारी व जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल ने रेशम महासंघ के अध्यक्ष का भी कार्यभार ग्रहण किया।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अपनाने की मंशा को आत्मसात् करते हुए हम प्रदेश के कारीगरों एवं कलाकारों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य करेंगे और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्वरोजगार योजना के तहत अधिक से अधिक हितग्राहियों को जोड़ने का प्रयास करेंगे। बजट का समुचित उपयोग कर कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिये संकल्पित होकर कार्य करेंगे।

विभागीय योजनाओं की जानकारी लेकर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। इससे जरूरतमंदों को रोजगार मिलता है और उनका हुनर भी सामने आता है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने सभी कारीगरों एवं कलाकारों को उनके उत्पाद एवं कला का अधिकतम मूल्य और लाभ में सीधा हिस्सा दिलाने के लिये ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स - ओएनडीसी (भारत का अपना अमेजन) नामक खुद का स्वदेशी ई-कॉमर्स प्लेटफार्म तैयार किया है। इस प्लेटफार्म के जरिये ग्रामीण कारीगरों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग एवं क्रेताओं को सीधा विक्रय कर लाभ दिलाया जाएगा। यह कार्य एनएसई सिल्क इनक्यूबेटर द्वारा किया जाएगा। कारीगरों एवं कलाकारों के उत्पाद यूरोप, मध्य एशिया (मिडिल ईस्ट), अमेरिका और अन्य देशों को निर्यात किये जायेंगे। भारत सरकार के इस देशी ई-कामर्स प्लेटफार्म को सबसे पहले मध्यप्रदेश में लागू करने के नवोन्मेषी प्रयास किये जा रहे हैं।

साम्हर सरपंच की गुंडा गर्दी से परेशान ग्रामीणों ने की शिकायत

संकल्प यात्रा के दौरान की गई अभद्रता और मारपीट

दुर्गेश बर्मन डिंडोरी। इस समय शासन प्रशासन द्वारा संकल्प यात्रा प्रदेश स्तर से हर जिले में और जनपद पंचायतो में भ्रमण कर योजनाओं की जानकारी वा समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है ।जिसमे शासन प्रशासन का अमला भी साथ साथ निरंतर यात्रा में जुटी हुई है ।अपनी समस्याओं से अवगत कराने संकल्प यात्रा में पहुचे ग्रामीणों से सरपंच ने गाली गलोच करते हुए कॉलर पकड की हथा पाई की जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने कोतवाली में की।

यहा का मामला : डिंडोरी जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम सांभर में मंगलवार को विकास कार्यों की समीक्षा करने अधिकारी पहुंचे। जहां पर विकास यात्रा संबंधी कार्य चल रहे थे इस दौरान सरपंच के द्वारा किशोर कुमार नागेश्वर से बिना वजह कालर पकड़कर अभद्रता और मारपीट की गई ।जिसकी शिकायत पीड़ित ने ग्रामीणों को साथ लेकर डिंडोरी कलेक्टर से करने पहुंचे जहा पीड़ित नेअपनी बिथा कलेक्टर सुनाया और ग्रामीणों ने भी आखों देखा हाल कलेक्टर महोदय को वया की उनकी समस्याओं से रूबरू होते हुए समझाइश दी कि नियमानुसार आप लोग पहले थाने में शिकायत दर्ज करें उसके बाद यदि कोई कार्यवाही नहीं होती तब मुझसे मिलें ।इसके बाद शिकायतकर्ता डिंडोरी कोतवाली पहुंचकर मामले की जानकारी दी। कोतवाली प्रभारी द्वारा मामला दर्ज कर मामले की जांच एवं नियमानुसार उचित कार्यवाही की बात कही गई है।

शिकायत कर्ताओं में ग्राम से आए धीरज कुमार नागेश सत्येंद्र कुमार नागेश टीकाराम नागेश एवं राजेंद्र कुमार बेलिया आदि लोगों ने थाना में उपस्थित होकर मुंह जवानी रिपोर्ट दर्ज कराई । उक्त घटना पंचायत भवन के पास की है जिसमें सरपंच कमलेश मरावी के द्वारा गाली गलौज एवं कालर पड़कर मारपीट करने की जानकारी दी गई है जिस पर गांव के ही लोखेलाल बछल्हा धीरज कुमार नागेश सत्येंद्र कुमार नागेश तथा अन्य लोगों ने बीच बचाव किए हैं। सरपंच के द्वारा यह भी धमकी दी गई थी कि यदि दोबारा किसी प्रकार की शिकायत करोगे तो तुम लोगों को जान से खत्म कर दूंगा। उक्त रिपोर्ट पर कोतवाली में भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 294 ,323 और 506 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है । उक्त घटना की जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर को भी दी गई है।

पीएम ने बचाव कार्य के लिए रक्षा बलों की संख्या बढ़ाने का लिया फैसला

भूकंप में मरने वालों की संख्या 64

टोक्यो। नए साल के दिन सोमवार एक जनवरी को जापान में लगातार 155 भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसमें मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 64 हो चुकी है। मलवे और टूटी हुई सड़के बचाव कार्य में बाधा बन रही है। भूकंप के कारण इशीकावा प्रांत के वाजिमा शहर में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में आग भी लग गई। हालांकि, अबतक कितनी क्षति हो चुकी है इसका आकलन अभी तक नहीं हो पाया है।

जापान के मौसम विभाग ने भूकंप के बाद गुरुवार को रुक-रुक कर बारिश के साथ भूस्खलन की संभावना जताई है। जापान के रक्षाबलों (जेएसडीएफ) को क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य के लिए भेज दिया गया है। वे हेलीकॉप्टर के जरिए क्षतिग्रस्त इलाकों में लोगों को जरूरत की चीजें पहुंचाएंगे। स्थानीय अधिकारियों ने केंद्र सरकार से रेस्क्यू मिशन के लिए एसडीएफ कर्मियों को भेजने का अनुरोध किया था। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि सरकार ने क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य करने वाले एसडीएफ कर्मियों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम किशिदा का बयान तब आया जब मंगलवार को टोक्यो के हनेड़ा एयरपोर्ट पर जापान एयरलाइंस को. प्लेन और जापान तटीय रक्षक का विमान रनवे पर आपस में ही टकरा गए। दोनों ही विमानों में रेस्क्यू सामग्री ले जाया जा रहा था। पीएम किशिदा ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा, उम्मीद करता हूं कि इस घटना का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है और क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य जारी है।

पांच की मौत, 130 लोग घायल

रूसी सेना ने यूक्रेन के दो शहरों पर 100 मिसाइलों से किया हमला

कीव। रूसी सेना ने मंगलवार को यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों पर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक घायल हो गए। कीव में अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस-यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरे होने वाले हैं। लेकिन रूसी सेना ने फिर से यूक्रेन के शहरी क्षेत्रों पर बमबारी तेज कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के ताजा मिसाइल हमले में कीव में कई इमरात में क्षतिग्रस्त हुई हैं। मिसाइल की जद में आई एक नौ मंजिला इमारत में दो लोग मारे गए हैं। जबकि 100 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय में पहुंचाया गया है।

यूक्रेन के सेना प्रमुख ने दावा किया कि यूक्रेनी वायु सेना ने लगभग 100 में से 10 रूसी किंझल मिसाइलों को मार गिराया, ये ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से उड़ सकती हैं। लेकिन अन्य मिसाइलें कीव और पूर्वोत्तर क्षेत्र की प्रांतीय राजधानी खार्किव में गिरीं। आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि कीव और उसके आसपास के क्षेत्र में चार लोगों की मौत हुई है और लगभग 70 घायल हो गए, जबकि खार्किव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 60 घायल हुए हैं। यूक्रेन वायु सेना के प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध की शुरुआत के बाद से मंगलवार को किए गए हमले में एक साथ सबसे अधिक मिसाइलें दागी गईं।

निष्पक्ष मतदान पर जोर

आम चुनाव के मद्देनजर बांग्लादेश में तैनात किए गए सशस्त्र बल

ढाका। बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर सशस्त्र बलों की तैनाती की हैं। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने को लेकर बुधवार को बलों को तैनात किया गया है. गौरतलब है कि विपक्षी दल बीएनपी ने देश में होने वाले आम चुनाव का बहिष्कार किया हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि सशस्त्र बलों के सदस्यों को हर जिले, उप जिला और महानगरीय क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। बांग्लादेश वायुसेना पहाड़ी इलाकों में मतदान केंद्रों को हेलीकॉप्टर सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने चुनाव की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही पर्याप्त तैयारी कर ली है। सेना ने चुनाव से जुड़ी जानकारी देते हुए कहा कि 3 से 10 जनवरी तक शांति और अनुशासन लागू करने के लिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगे। सशस्त्र बलों के अलावा तटरक्षक बल, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के सदस्य भी चुनाव ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी द्वारा चुनाव बहिष्कार के चलते देशव्यापी हड़तालें, परिवहन नाकेबंदी का बीच-बीच में आह्वान किया जाता हैं। बीएनपी के मुताबिक, वर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना के रहते कभी भी देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं किए जा सकते हैं।

खुद आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान को इस आतंकी संगठन से लग रहा डर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को अब खुद की ही करतूतों की वजह से डर लग रहा है। आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान को एक आतंकी संगठन से डर लग रहा है। दरअसल, अशांत खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में बड़ी संख्या में तहरीक-ए-तालिबान आतंकवादियों की आमद के बीच पाकिस्तान के सामने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की ओर से भी खतरा बना हुआ है। आईएसआईएस देश में अपने पांव जमाने की कोशिश कर रहा है। यह बात पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने कही। मंत्रालय की ओर से संसद को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की बढ़ती गतिविधियों के बारे में जानकारी

दी गई। प्रतिबंधित समूह के खिलाफ तालिबान नीत अंतरिम अफगान सरकार की निष्क्रियता के बारे में भी संसद को बताया गया। गृह मंत्रालय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में 2022 की शांति वार्ता के दौरान टीटीपी के नए सिरे से संगठित होने और उसकी गतिविधियों में विस्तार के बारे में सूचना साझा की, जिसने अपनी आतंकी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। उसने कहा, 'टीटीपी ने अपनी गतिविधियों में काफी इजाफा कर दिया है और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए दूसरे चरमपंथी समूहों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी गतिविधियां विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा में केंद्रित हैं और बलूचिस्तान में भी इसके निशान दिखाई दे रहे है। यह संगठन देश में अपने नेटवर्क को सक्रिय करने के लिए प्रयासरत है।'

सीएए को लेकर फिर शुरू हुई राजनीति, येचुरी ने बताया भाजपा का चुनावी दांव, ओवैसी बोले- यह संविधान विरोधी

नई दिल्ली। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित किया जाएगा। यही कारण है कि अब सीएए को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि यह हाशिए पर रहने वाले समुदायों, खासकर मुसलमानों के लिए गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पारित कानून 'संविधान विरोधी' था क्योंकि यह धर्म के आधार पर बनाया गया था। उन्होंने कहा कि सीएए संविधान विरोधी है। सीएए को एनपीआर-एनआरसी के साथ पढ़ा और समझा जाना चाहिए जो इस देश में आपकी नागरिकता साबित करने के लिए शर्तें तय करेगा। ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो यह घोर अन्याय होगा, खासकर मुसलमानों, दलितों और भारत के गरीबों के साथ, चाहे वे किसी भी जाति या धर्म के हों। सीपीआई(एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने दावा किया कि केंद्र लोकसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट है।

एनआईए ने 31 स्थानों पर की छापेमारी, करणी सेना प्रमुख की हत्या के मुख्य आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले महीने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना (एसआरआरकेएस) के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में राजस्थान और हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी के दौरान बुधवार को एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी अशोक कुमार का गैंगस्टर रोहित गोदारा से गहरा संबंध है, जिसने सोशल मीडिया के जरिए गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। गोदारा जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ा हुआ है।

कुमार की गिरफ्तारी के साथ, हत्या में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या नौ हो गई है। इससे पहले राजस्थान पुलिस ने आठ गिरफ्तारियां की थीं। 5 दिसंबर, 2023 को जयपुर में करणी सेना प्रमुख के श्याम नगर आवास पर सनसनीखेज दिनदहाड़े गोलीबारी में गोगामेड़ी और एक अन्य व्यक्ति नवीन शेखावत की हत्या कर दी गई थी जबकि दो लोग घायल हो गए थे। शूटरों की पहचान जयपुर के झोटवाड़ा निवासी रोहित राठौड़ के रूप में की गई थी। इस हत्या के बाद पूरे राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। घायलों में से एक अजीत सिंह ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। संघीय आतंकवाद-रोधी जांच एजेंसी ने 11 दिसंबर को पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली थी और तब से कई संदिग्धों से पूछताछ की थी, जिसके आधार पर 31 स्थानों पर बुधवार की छापेमारी की योजना बनाई गई थी।

युवा पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर भड़कीं साक्षी मलिक, बृजभूषण सिंह पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती में चल रहे संकट में एक नया मोड़ देखने को मिला जब सैकड़ों युवा पहलवानों ने अपने करियर के एक महत्वपूर्ण वर्ष की हार के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया और इसके लिए शीर्ष पहलवानों - बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगट को दोषी ठहराया। ओलंपिक चैंपियनों ने पिछले साल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। इस बीच, साक्षी मलिक ने विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे बृज भूषण का 'प्रचार' बताया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से बसों में भरकर जूनियर खिलाड़ी राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनमें से लगभग 300 लोग छपरौली, बागपत में राय समाज अखाड़े से हैं, जबकि कई अन्य नरेला में वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से आए थे। कई पहलवान अभी भी बसों में भरे हुए थे और जब अधिक पहलवान ऐतिहासिक विरोध स्थल पर पहुंचेंगे तो वे बसों से उतरकर अपने साथियों के साथ शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिका में भारतवंशी परिवार की मौत पर बड़ा खुलासा, आलीशान बंगले में मृत मिले थे पति-पत्नी और बेटी

वॉशिंगटन।

अमेरिका के मैसाच्युसेट्स में भारतीय मूल के एक अमीर परिवार के तीन सदस्यों के मृत पाए जाने की घटना के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि यह मामला हत्या करने के बाद आत्महत्या करने का हो सकता है। दरअसल, चिकित्सा अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद इस घटना पर संदेह जताया है। 57 साल के राकेश कमल, उनकी 54 साल की पत्नी टीना और 18 वर्षीय बेटी एरियाना 28 दिसंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे अपने डोवर स्थित 50 लाख डॉलर के अपने आलीशान बंगले में मरे मिले थे। उनके इस बंगले में 11 बेडरूम और 13 बाथरूम हैं। कमल के शव के पास से एक बंदूक मिली थी। नॉरफॉक डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी माइकल मॉरिससी के कार्यालय का कहना है कि मुख्य चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय ने शवों की जांच की रिपोर्ट सौंपी है। इससे साफ होता है कि टीना और उनकी बेटी एरियाना की गोली मारकर हत्या की गई है। वहीं, राकेश के भी गोली लगी है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा की जयशंकर से बात, दोनों देशों के बीच रिश्तों की मजबूती पर जोर

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे भीषण युद्ध को डेढ़ साल से भी अधिक समय हो गया हैं। इसी बीच, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की हैं।

पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने लिखा, हम भविष्य में 2018 के बाद से भारत-यूक्रेन अंतर सरकारी आयोग की पहली बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि मैंने अपने भारतीय समकक्ष को रूस में बढ़ रहे आतंक और यूक्रेन पर किए जा रहे बड़े पैमाने पर हवाई हमलों के बारे से जानकारी दी। दोनों देशों के नेताओं ने शांति फॉर्मूले पर आगे बढ़ने पर चर्चा भी की। इस दौरान वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन के लिए यूक्रेन के दृष्टिकोण से भी अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले भविष्य में 2018 के बाद से भारत-यूक्रेन अंतर सरकारी आयोग की पहली बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए। उन्होंने लिखा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों के इस प्राथमिक तंत्र का कायाकल्प हमें व्यापक तरीके से आगे बढ़ने की अनुमति देगा। इससे इतर, एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और कनाडा के मौजूदा राजनयिक संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कनाडा की राजनीति ने खालिस्तानी ताकतों को पनाह दी हुई हैं। वे सभी सीधे तौर पर कनाडा की राजनीति में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यही एक कारण हैं, जो दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचा रहा हैं। यह स्थिति भारत और कनाडा दोनों के लिए खतरा हैं। मेरा मानना है कि जितना यह भारत के खतरा है, उतना ही इससे कनाडा को भी नुकसान होगा।

वर्ल्ड क्लास सिटी के रूप में स्थापित होगी श्रीराम की अयोध्या नगरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में आठ परिकल्पनाओं के आधार पर निरंतर कार्य हो रहे हैं, जिससे अवधपुरी को वैश्विक नगरी बनाने का सपना साकार होने जा रहा है। अयोध्या में 30.5 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं में से अधिकांश 2024 में पूरी हो रही हैं। वहीं सीएम योगी के प्रयासों से यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान अयोध्या के लिए प्राप्त हुए 6 हजार करोड़ से अधिक के निवेश भी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए धरातल पर उतरने को बिल्कुल तैयार हैं। 2017 में उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने डबल इंजन की ताकत से अयोध्या के चहुंमुखी विकास का खाका खींचा और इसे लेकर मिशन मोड में कार्य शुरू किया गया। एक के बाद एक लगभग 30.5 हजार करोड़ की 178 परियोजनाओं के जरिए अयोध्या को विश्वस्तरीय नगरी के रूप में विकसित करने का संकल्प अब सिद्धि तक पहुंचने जा रहा है। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले दिन से ही अवधपुरी के वैभव को पुनर्प्रतिष्ठापित करने के लिए आठ परिकल्पनाओं को ही मॉडल मानकर कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दे दिये थे।

इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोप में तुर्किए ने 33 संदिग्धों को हिरासत में लिया

इंस्ताबुल। हमास और इस्राइल के बीच दो माह से अधिक समय से जंग जारी है। इस युद्ध को लेकर कई मुस्लिम देश पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ खुलकर जंग लड़ रहे हैं। ईरान और लेबनान के बाद तुर्किए भी इनमें से एक है। तुर्किए का आरोप है कि इस्राइल अपने लोगों को भेजकर जासूसी करा रहा है। मगर राष्ट्रपति एर्दोगन ने मोसाद की मंशा को नाकाम कर दिया है। तुर्किए के अधिकारियों ने इस्राइल के लिए तथाकथित रूप से जासूसी करने के संदेह में 33 लोगों को हिरासत में लिया है। समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, एक ऑपरेशन के हिस्से के रूप में आठ प्रांतों में 57 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की गई, जहां से 33 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं अधिकारी अब भी 13 उन अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनके बारे में समझा जाता है कि उनके संबंध इस्राइल की खुफिया

एजेंसी मोसाद से हैं। संदिग्धों पर मोसाद की ओर से टोह लेने, निगरानी करने, हमला करने और अपहरण जैसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। हालांकि, इसमें उन संदिग्धों या विदेशियों के बारे में जानकारी नहीं दी गई, जिन्हें कथित तौर पर निशाना बनाया गया। बता दें, यह खबर ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिनों पहले ही इस्राइल की घरेलू सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख शिन बेट ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में कहा था कि उनका संगठन लेबनान, तुर्किए और कतर सहित हर जगह हमास को नष्ट करने के लिए तैयार है।

इमरान की पार्टी को बड़ा झटका, चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट को लेकर ईसीपी के आदेश को हाईकोर्ट ने बहाल किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसीपी) के उस आदेश को बहाल कर दिया जिसमें पीटीआई पार्टी के आंतरिक चुनाव और उसके क्रिकेट बैट चुनाव चिह्न को रद्द कर दिया गया था। आम चुनाव से पहले ईसीपी का यह फैसला पीटीआई के लिए बड़ा झटका है।

डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, पेशावर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एजाज खान ने ईसीपी की पुनर्विचार याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया। ईसीपी ने 22 दिसंबर को पीटीआई के आंतरिक चुनावों को खारिज कर दिया था और पार्टी को उसके क्रिकेट बैट चुनाव चिह्न से वंचित कर दिया था। बैरिस्टर गौहर

खान को दिसंबर में आंतरिक चुनावों में पार्टी का नया अध्यक्ष चुना गया था। पार्टी ने इस फैसले को पेशावर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। जिसने 26 दिसंबर को पीटीआई के आंतरिक चुनाव को असंवैधानिक घोषित करने के ईसीपी के फैसले को निलंबित कर दिया था। ईसीपी ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति एजाज खान की अध्यक्षता में सुनवाई के दौरान पीटीआई के वकील अनवर ने कहा कि ईसीपी कोई न्यायिक संस्था नहीं है और अपने ही फैसले के पक्ष या विपक्ष में अदालत के दखल की मांग करना अदालत की अवमानना है। अनवर ने दावा किया कि पीपीपी को छोड़कर सभी दलों ने पीटीआई को चुनावी लड़ाई से दूर रखने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि संविधान स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का आदेश देता है।

ईसीपी के वकील ने कहा कि पीटीआई ने आयोग के फैसले के खिलाफ स्थगन आदेश हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, %हमारे पास रिट दायर करने का अधिकार है।% दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। एक दिन पहले ईसीपी के वकील ने अपनी दलीलें पेश कीं। जबकि, पीटीआई के वकील गैरहाजिर रहे। इसके बाद अदालत ने दलीलें पूरी करने के लिए पीटीआई को नोटिस जारी किया।

केरियर में आगे बढ़ने इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप केरियर में आगे बढ़ना चाहते हैं तो अपने कार्यस्थल पर कुछ बातों का हमेशा ध्यान रखें। सबसे पहले समय पर काम करने की आदत डालें। हर काम को समय पर करें और आपसे जो अपेक्षा है, उसे करने के लिए तैयार रहें। अगर आप काम में देरी करेंगे तो इससे आपकी छवि नकारात्मक बनेगी। आपकी आदतों से आपकी छवि पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए इन आदतों को जितनी जल्दी को सके छोड़ दें।

किसी काम को लेकर सवाल पर सवाल खड़ा करना

अगर आपको कोई काम सौंपा जाता है और आप उसको लेकर तरह-तरह के सवाल उठाते हैं तो यह समझा जाएगा कि आप काम करना नहीं चाहते हैं। सवाल उठाने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन गैरजरुरी सवाल आपके लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं।

हर समय नकारात्मक न रहें

वैसे तो हर किसी को बॉस, सहकर्मी या किसी काम को लेकर शिकायत रहती है लेकिन अगर आप मुखर होकर इसके खिलाफ बोलते हैं तो यह आपके खिलाफ जाता है। हमेशा बॉस की या सहकर्मियों के खिलाफ कुछ भी नकारात्मक बोलने से परहेज करें।

मीटिंग में देर से पहुंचने की आदत छोड़ें

मीटिंग में अगर आप हमेशा देर से पहुंचते हैं तो इसका मतलब है कि न तो आप अपने सहकर्मियों का सम्मान करते हैं औ न ही मीटिंग के आयोजकों का। इस आदत को छोड़ना ही आपके लिए फायदेमंद होगा।

बीमार होने का बहाना न बनाएं

अगर आप हर हफ्ते बीमार होने का बहाना बनाकर छुट्टी ले लेते हैं तो इससे आपकी बॉस के नजर में गलत छवि बनेगी और प्रमोशन में इसका नुकसान उठाना पड़ेगा।

समय का पाबंद होना बहुत जरूरी है। हर काम को समय पर करें और आपसे जो अपेक्षा है, उसे करने के लिए तैयार रहें। अगर आप काम में देरी करेंगे तो इससे आपकी छवि लापरवाह की बनेगी।

मीटिंग के दौरान वहां हो रही गतिविधियों पर ध्यान दें। मोबाइल या लैपटॉप खोलकर कुछ और न करने लग जाएं या किसी और सोच में न डूब जाएं। इससे आसपास बैठे लोगों और बॉस की नजर में आपकी छवि खराब होगी।

फैशन कम्युनिकेशन क्षेत्र में हैं अच्छे अवसर

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टॉर्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन [illegible], ग्राफिक डिजाइनर, फैशन फोटोग्राफर, [illegible], डिजाइन [illegible], फैशन [illegible], फैशन मार्केटिंग [illegible], फैशन एडिटर, फैशन स्टाइलिस्ट, [illegible] आदि [illegible] कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद आप [illegible] व [illegible] के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र मे आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर मे आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते है।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते है। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नही, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते है। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरुग्राम
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वही इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नही है तो आप इस क्षेत्र मे नही टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

जल प्रबंधन में कैरियर बनाने के अच्छे अवसर

जल प्रबंधन से आशय है पानी का संचयन। इसमें सामान्य पानी, मीठा पानी, भारी पानी, खारा पानी, नदी, नाले, पोखर और तालाब के पानी की सुरक्षा संरक्षण शामिल है। ताकि मानव, पशु-पक्षियों और कल कारखानों के साथ-साथ सिंचाई आदि में पानी का इस्तेमाल किया जा सके। जल प्रबंधन के तहत कल कारखानों और प्रदूषित नदियों के पानी को पीने योग्य बनाने या फिर दोबारा उपयोग में लाने की बात के अलावा राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त और रेतीले क्षेत्र में पानी की खोज और प्रबंधन, पानी के संग्रह या वर्षा जल के संचयन के लिए बड़े-बड़े हौज और टैंकों का निर्माण, जल संभरण तकनीकविदों की जिम्मेदारी में शामिल है। अब तो नदियों को आपस में जोड़ने की बात की जा रही है। बांध बनाए जा रहे हैं। हाइड्रोकोलिक जल का इस्तेमाल बढ़ रहा है और इसके साथ बढ़ रहा है जल प्रबंधन। इस प्रकार जल प्रबंधकों की मांगें बढ़ रही हैं। अगर आपने 12वीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ पास की है तो जल प्रबंधन के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। बीएससी के बाद जलस्रोत से जुड़े पाठ्यप्रमों में दाखिला लिया जा सकता है। चयन लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। दो वर्षीय एमटेक डिग्री के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केन्द्राह्य जल विभाग, सिंचाई विभाग, मौसम विभाग, पर्यावरण विभाग, सेंट्रल इंस्टीटयूट ऑफ प्रेश बाटर आदि संस्थानों में बतौर वैज्ञानिक नौकरी मिल जाती है। इसके अलावा जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान शालाओं आदि में भी रोजगार उपलब्ध हैं। जल प्रबंधन का पाठ्यप्रम इन विश्वविद्यालयों में उपलब्ध है। रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की, एमबीएम, इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर। रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई। तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर।

बढ़ती आबादी एवं शहरीकरण के कारण गरमी के मौसम में दुनिया भर में लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इन चुनौतियों से एक नए रोजगार का एक नया क्षेत्र जल प्रबंधन तेजी से उभरा है।

लाइब्रेरी साइंस में भी हैं अच्छे अवसर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आईटी के इस युग में लाइब्रेरी भी डिजिटल हो गयी है। ऐसे में अब इसमें तकनीकी यूवाओं की की जरुरत पड़ रही है। आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबो की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नही है तो यह क्षेत्र आपके लिए नही है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

प्रमुख संस्थान

दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
01अप्रैल ईएमएस फीचर

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध है। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते है तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

बिग बॉस 17: ईशा-समर्थ की नजदीकियों से परेशान अभिषेक

बिग बॉस 17 के आगामी एपिसोड में अभिषेक बर्तनों को लेकर विक्की जैन से भी झगड़ा करते नजर आएंगे। एपिसोड में अभिषेक कुमार घर में ईशा मालवीय और समर्थ जुरेल की नजदीकियों के बारे में अंकिता लोखंडे से बात करते नजर आएंगे। उन्होंने को-हाउसमेट अंकिता से अपने दिल की बात कही। अभिषेक ने बताया कि वह असहज महसूस करते हैं। अभिषेक और अंकिता गार्डन एरिया में बैठे थे, जब उन्होंने बताया कि जब ईशा समर्थ के करीब आती है तो उन्हें इससे निपटना मुश्किल हो जाता है। दोनों फिर खानजादी के साथ अपने बढ़ते बंधन के बारे में बात करते हैं, जहां अभिषेक ने कहा कि वह खानजादी का यूज नहीं कर रहे हैं। उम्र को लेकर विक्की जवाब देते नजर आएंगे कि अभिषेक 40 की उम्र में कैसे हैं।

फाइटर के टीज़र ने इंटरनेट पर मचाई धूम

बालीवुड फिल्म् फाइटर के टीज़र ने इंटरनेट पर खूब धूम मचाई है। कुछ ही समय में इस फिल्म का टीज़र यूट्यूब पर स1 पर पहुंच गया है। टीजर में फाइटर फिल्म से स्क्वाड्रन लीडर सरताज गिल के रूप में करण सिंह ग्रोवर के दमदार लुक से भी पर्दा उठा दिया है। करण सिंह ग्रोवर स्क्वाड्रन लीडर सरताज गिल के किरदार में पूरी तरह से फिट बैठे हैं, जिन्हें उनके कॉल साइन ताज के नाम से जाना जाता है, जो प्रतिष्ठित एयर ड्रैगन्स यूनिट से स्क्वाड्रन पायलट के रूप में काम करते हैं। उनकी एक्टिंग किरदार को दमदार और आकर्षक दोनों बनाती है। यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स को देशभक्ति के उत्साह के साथ सहजता से पेश करती है, जो एक ऐसे गहन अनुभव का वादा करती है जो दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा।

पुलिस ने बंद करवाया सतिंदर का शो, दर्शक भड़के

हाल ही में जब पंजाबी सूफी सिंगर सतिंदर सरताज के चलते शो को पुलिस ने बीच बंद करवा दिया तो लोगों का गुस्सा भड़क गया। सतिंदर के गानों के रस में खोए लोगों ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। दरअसल, 10 दिसंबर की शाम पंजाब के पटियाला स्थित राजीव गांधी लॉ यूनिवर्सिटी में महफिल-ए-सरताज नाम से शो का आयोजन किया गया था। शो में पंजाबी सूफी सिंगर सतिंदर सरताज जब स्टेज पर अपना गाना औजार गा रहे थे, तो पुलिस वहां पहुंच गई और बीच में शो बंद करवा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सतिंदर सरताज को पुलिस के आने की जानकारी उनके असिस्टेंट ने दे दी थी। इसके बावजूद भी वह गाते रहे और फिर पुलिस स्टेज पर ही पहुंच गई।

गुडाचारी 2 की शूटिंग शुरू

एक्शन स्पाई थ्रिलर गुडचारी 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पहले चरण से ही फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पैमाने पर बनाया जा रहा है। जब से अदिवी -स्टारर जी2 का फर्स्ट लुक जारी हुआ है, तब से फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में बनिता संधू भी मुख्य भूमिका में हैं। हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के लिए एक भव्य पांच मंजिला ग्लास सेट का निर्माण किया गया है। मेजर अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की। अदिवी शेष ने क्लैपबोर्ड की तस्वीर भी शेयर की। जी2 एक जासूसी थ्रिलर है, जो सफल गुडाचारी फ्रेंचाइजी की अगली किस्त है। यह एक जासूस की कहानी है, जो भारत के बाहर अपने देश के लिए लड़ने के मिशन पर है। अभिनेता अदिवी की फिल्म का निर्देशन विनय कुमार सिरिगिनेडी ने किया है। फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैली की तस्वीरें

हाल ही में हॉलीवुड मॉडल एंड एक्ट्रेस हैली बीबर ने अपने ब्लैक लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में हैले बीबर ब्लैक गाउन में नजर आ रही हैं। न्यूड मेकअप और लो बन से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज दे रही हैं। वहीं कई तस्वीरों में वह हाथ में कोका कोला की बोतल लिए भी नजर आ रही हैं और फैंस को अपनी तरफ इम्प्रेस कर रही हैं। काम की बात करें तो हैली बीबर को आखिरी बार टीवी सीरीज डेव में देखा गया था।

सान्या की बहन बंधी शादी के बंधन में

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा की बहन शगुन मल्होत्रा शादी के बंधन में बंधी है। इस वक्त एक्ट्रेस के घर शादी का माहौल है। बहन की संगीत सेरेमनी में सान्या ने जबरदस्त डांस कर चार-चांद लगा दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बड़ी बहन की डीजे नाइट में सान्या मल्होत्रा ने शाह रुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के गाने वन टू थ्री फोर गेट गेट ऑन दी डांस पर जबरदस्त डांस किया। इस दौरान वह अपने डांस पार्टनर के साथ खूब थिरकती नजर आईं। ब्लैक कलर की शिमरी साड़ी पहने इस दौरान एक्ट्रेस का लुक देखते ही बना। वहीं, काम की बात करें तो सान्या मल्होत्रा को हाल ही रिलीज हुई सैम बहादुर में विक्की कौशल की पत्नी सिलू मानेकशॉ के रोल में देखा गया है।

मप्र के नए मुख्यमंत्री पर कंगना खुश

बॉलीवुड अभिनत्री कंगना रनौत अपने काम पर फोक्स करने के साथ-साथ देश-दुनिया की खबरों पर भी पूरी नजर रखती हैं। कंगना की बॉलीवुड के अलावा राजनीति जगत में भी अच्छी खासी रुचि है। इन सबके बीच अब हाल ही में कंगना ने मोहन यादव के मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बनने पर एक पोस्ट किया है। एक्ट्रेस का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर किया है। इस पोस्ट में मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई दी गई है। ऐसे में कंगना ने इस पोस्ट को शेयर कर मोहन यादव के मध्य प्रदेश का सीएम बनने पर अपनी खुशी जताई है।

श्रुति हासन धमाल मचाने के लिए तैयार

साउथ के सुपरस्टार आदिवी सेश और श्रुति हासन अपने अगले मेगा पैन-इंडिया एक्शन ड्रामा से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी घोषणा कर दी है। इस शानदार फिल्म के टाइटल के बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं है। टाइटल को अभी गुप्त रखा गया है। इस मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा किया जा रहा है। अन्नपूर्णा स्टूडियो इसे प्रस्तुत कर रहा है और शेनिल देव इसे निर्देशित कर रहे है। यह फिल्म शेनिल के फीचर निर्देशन की पहली फिल्म होगी, जो पहले क्षणम और गुड्डाचारी सहित कई तेलुगु ब्लॉकबस्टर्स के लिए फोटोग्राफी के निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने कम उम्र की प्रशंसित फिल्म लैला का भी निर्देशन किया, जिसे आधिकारिक तौर पर कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया था। निर्माताओं ने एक बयान में कहा, फिल्म के हर फ्रेम, संवाद और दृश्य को हिंदी के साथ-साथ तेलुगु में भी अलग-अलग शूट किया जा रहा है। प्रत्येक संस्कृति की मूल प्रकृति के अनुसार उनके साथ अलग-अलग व्यवहार किया जा रहा है।

इस फिल्म का सह-निर्माण सुनील नारंग द्वारा किया गया है, जिसमें आदिवी शेष और शेनिल देव भी कहानी और पटकथा क्रेडिट साझा करेंगे। प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी जल्द ही सामने आएगी।बता दें कि 2022 की ब्लॉकबस्टर बायोपिक मेजर के बाद आदिवी शेष की ये लगातार दूसरी हिंदी फिल्म है। इसके पहले फिल्म में उन्हें मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के रूप में दिखाया गया था।

विद्युत की न्यूड फोटोज देख आई रणवीर की याद

हाल ही में अभिनेता विद्युत जामवाल ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। इस बार विद्युत ने कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की है, जिसे देख लोगों को रणवीर सिंह की याद आ गई। हालांकि कुछ लोग एक्टर को उनकी इन फोटोज के लिए ट्रोल भी कर रहे हैं।

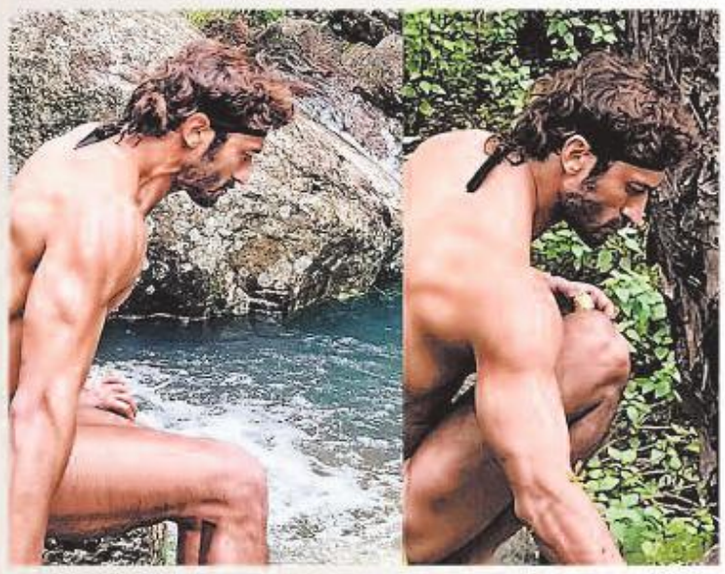

दरअसल विद्युत जामवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह न्यूड नजर आ रहे हैं। पहली 2 फोटोज में वह जंगल में बैठे दिख रहे हैं, तो वहीं तीसरी फोटो में वह नदी में नहाते दिख रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा कि हिमालय पर्वतमाला में मेरी वापसी - परमात्मा का निवास 14 साल पहले शुरू हुई थी। इससे पहले कि मुझे एहसास होता, हर साल 7-10 दिन अकेले बिताना मेरे जीवन का अभिन्न अंग बन गया। जंगल में आकर, मुझे अपना एकांत ढूंढना और मैं कौन नहीं हूं को जानने के महत्व को महसूस करना पसंद है, जो कि मैं कौन हूं को जानने के साथ-साथ शांति में खुद की रक्षा करने का पहला कदम है। विद्युत ने आगे अपने पोस्ट में लिखा कि मैं अपने कम्फर्ट जोन के बाहर सबसे अधिक आरामदायक हूं। मैं प्रकृति की प्राकृतिक आवृत्ति के साथ तालमेल बिठाता हूं और मैं खुद को सैटेलाइट डिश एंटीना के रूप में कल्पना करता हूं। यहीं पर मैं वह ऊर्जा पैदा करता हूं, जिसके साथ मैं खुद को घेरना चाहता हूं और घर वापस आना चाहता हूं। अपने जीवन में एक नए अध्याय का अनुभव करने के लिए तैयार हूं, पुनर्जन्म। विद्युत के पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि ऐसी भी क्या मजबूरी रही होगी। एक यूजर ने लिखा कि 'मोगली भी पत्ता पहनता था भाई।' अगर आप अकेले हैं तो तस्वीर कौन खींच रहा है' एक यूजर ने लिखा कि 'भाई ये किस लाइन में आ गए आप।' एक यूजर ने लिखा कि आज से इसकी मूवी बायकॉट करते हैं, देश का महौल खराब कर रहे हैं सब। एक यूजर ने लिखा कि 'मैं तो तेरे को हीरो समझता था, तू तो आदिमानव निकला रे। एक ने एक्टर से सवाल किया, 'ये करना जरूरी था क्याज' किसी ने लिखा, 'रणवीर सिंह बी लाइक- मैं क्या काम छोड़ दूं' बता दें कि विद्युत जामवाल अपनी दमदार एक्टिंग और स्टंट के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी फिटनेस और देसी अंदाज के लिए चर्चा में बने रहते हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फोटोज और वीडियो शेयर करते रहते हैं।

एक्टर आए ट्रोलर्स के निशाने पर आए

स्टार किड होने का मतलब ये नहीं कि एक्टर बनने का सपना नहीं देख सकते

अनन्या पांडे को जल्द ही खो गए हम कहां फिल्म आने वाली है। एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से की थी। इसके बाद पति पत्नी और वो, ताइगर, गहराइयां और ड्रीमगर्ल 2 तक में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग करियर से लेकर कई मुद्दों पर बात की। अनन्या ने बताया कि कैसे उनका ये सफर शुरू हुआ था, कब उन्होंने तय किया कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है। इसी के साथ एक्ट्रेस ने शादी को लेकर भी जवाब दिया।

मंसूर ने दायर किया मानहानि का मुकदमा

साउथ फिल्मों के अभिनेता मंसूर अली खान ने अभिनेत्री तृषा कृष्णन, चिरंजीवी और खुशबू सुंदर के खिलाफ एक्शन लिया है और मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया है। शिकायत की कॉपी सोशल मीडिया पर सामने आई है। ज्ञातव्य है कि मंसूर अली खान और तृषा कृष्णन ने विजय थलापति की फिल्म लियो में एक साथ काम किया था।

फिल्म प्रदर्शन के बाद मंसूर ने अपने एक बयान में कहा कि- जब मुझे पता चला कि मुझे तृषा के साथ अभिनय करना है तो मुझे लगा कि तृषा के साथ मेरा बेड सीन होगा। मैंने सोचा मैं उसे उसी तरह बेडरूम में ले जाऊंगा जैसे अन्य एक्ट्रेस को ले जाता हूं। मैंने कई रेप सीन्स पहले भी किए हैं ये कोई नया नहीं है। लेकिन कश्मीर में शूटिंग के दौरान इन लोगों ने मुझे तृषा को नहीं दिखाया। मंसूर अली खान का तृषा को लेकर दिया गया ये बयान किसी को रास नहीं आया और सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया

दक्षिण भारत फिल्मद्योग भी तृषा के समर्थन में उतरा। चिरंजीवी और खुशबू सुंदर जैसे स्टार्स ने तृषा का सपोर्ट किया और मंसूर की क्लास लगाई। इसके बाद से ही मामला गर्माया हुआ है। लगातार ट्रोल होने के बाद खुद मंसूर अली खान ने तृषा से माफी भी मांगी। लग रहा था कि मामला यहां पर खत्म हो जाएगा तभी एक नया मोड़ आ गया। अब मंसूर ने यूटर्न लेते हुए एक बार फिर सभी को चौंका दिया है। फिलहाल अभी इस नोटिस पर तृषा कृष्णन की तरफ से कोई भी रिएक्शन सामने नहीं आया है। लियो फिल्म की बात करें तो इसमें विजय थलापति लीड रोल में थे और तृषा कृष्णन उनके अपोजिट नजर आई थीं। फिल्म ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर कोहराम मचा दिया था। फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 612 करोड़ का रहा था। बता दें कि लियो में एक साथ नजर आ चुके अभिनेता मंसूर अली खान और अभिनेत्री तृषा कृष्णन कॉन्ट्रोवर्सी में लगातार ट्विस्ट और टर्न्स सामने आ रहे हैं। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर तृषा को लेकर दिए आपत्तिजनक बयान के बाद जब मंसूर को ट्रोल किया गया तो उन्होंने माफी मांग ली थी। लेकिन अब उन्होंने अपने एक्शन से एक बार फिर सभी को चौंका दिया है।

एनिमल के लिए सारा ने नहीं दिया ऑडिशन

बालीवुड के विश्वसनीय सूत्र ने उन अफवाहों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि एनिमल में तृप्ति डिमरी की बहुचर्चित भूमिका के लिए सारा अली खान को कॉस्ट करने का विचार किया गया था।सूत्र ने खुलासा किया है कि उन्होंने कभी फिल्म के लिए ऑडिशन भी नहीं दिया था। वायरल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसी चर्चा थी कि सारा को एनिमल में जोया वहाब रियाज की भूमिका के लिए कास्ट करने पर विचार किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा सारा के ऑडिशन से उत्साहित नहीं थे, और उन्होंने तृप्ति को जोया के किरदार के लिए बेहतर पाया। अफवाहों पर विराम लगाते हुए, इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्र ने खुलासा किया, सारा अली खान ने कभी भी एनिमल के लिए ऑडिशन नहीं दिया। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं।

मोत के घाट से पहचान बन चुके गणेश घाट एन एच 3 पर अब दर्दनाक हादसे होना बंद हो जाएंगे : डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी

खलघाट-मानपुर। गणेशघाट पर होने वाली भीषण दुर्घटनाओं पर लगेगी लगाम। 107 करोड़ की लागत से 9 किमी नई 3 लेन सड़क का निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ। अति संवेदनशील घाट की तकनीकी खामियों को दूर कर नवीन मार्ग की स्वीकृति के लिए राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने क्षेत्र की जनता की और से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का निरंतर प्रयास हुआ सफल

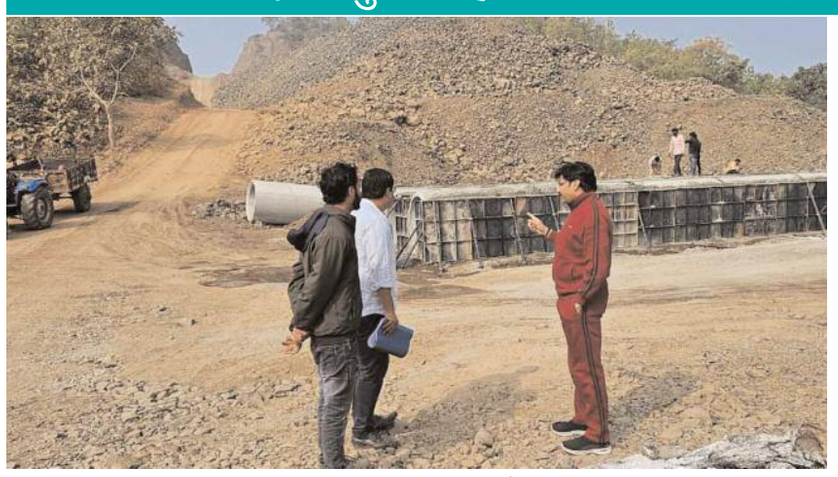

विगत वर्ष दिसंबर 2022 में राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने संसद के शीत कालीन सत्र में शून्यकाल के दौरान सदन में खलघाट-मानपुर एनएच-3 पर आये दिन होने वाली गम्भीर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सरकार एवं विभागीय मंत्री के ध्यानाकर्षण में लाकर अविलंब समाधान करने का आग्रह किया था।।

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने सदन में उक्त गंभीर विषय पर सरकार का ध्यानाकर्षित करते हुए बताया था कि खलघाट-मानपुर एन एच-3 के मध्य होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से न जाने कितनी माताओ ने अपने बेटों को, बहनों ने अपने भाइयों को, छोटे-छोटे मासूम बच्चों ने अपने माता-पिता व अन्य सगे सम्बन्धियों को खोया है, और यह स्थिति निरन्तर बनी हुई है। सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के आंकड़ों के अनुसार लगभग 70ब सड़क दुर्घटनाएं मनुष्य की गलतियों के कारण होती है और लगभग 3-4 ब सड़क में गड्ढों एवं अन्य कमियों के कारण होती है।

इसी मार्ग के गणेश घाट पर एक किलोमीटर के दायरे में सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी है,जो कि निरंतर होने वाली घटनाओं का स्थान बन चुका है। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने आंकड़ों सहित अपनी बात रखते हुए बताया था कि खलघाट-मानपुर (दूरी लगभग 70किलोमीटर) सड़क दुर्घटनाओं के विषय पर हुए एक अध्ययन अनुसार वर्ष 2016 से 2018 कुल 978 दुर्घटनाएं हुई जिसमें 1267 लोगो की मृत्यु हुई है । इसी दौरान 626 माइनर बच्चों एवं न जाने कितने नो-जवानों की जीवन लीला समाप्त हो गयी।

विगत 17.07.2022 को महाराष्ट्र परिवहन की एक बस भी इसी रोड़ पर स्थित नर्मदा नदी में गिरने से लगभग 13 लोगों की मृत्यु हो गयी थी।

सांसद डॉ. सोलंकी ने बताया था कि क्षेत्र की जनता ने मुम्बई-आगरा मार्ग के इस स्थान पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के साथ ही मार्ग की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए कई बार मांग की है जो आज भी लंबित रही। अपने संबोधन राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने सभापति के माध्यम से सरकार से आग्रह किया करते हुए राजमार्ग-3 पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए ठोस से भी ठोस कदम उठाने के लिए आग्रह किया था ताकि कोई माँ अपने लाल को और कोई बहन अपने भाई को राखी बांधने के लिये न तरसे।

पुलिस के संरक्षण में कस्बे के गली कूचों में बिक रही अवैध शराब

आबकारी विभाग और पुलिस की मिली भगत से युवा हो रहे बर्वाद

बड़ामलहरा। नगर के लगभग सभी वार्डों में बड़ामलहरा पुलिस थाना अंतर्गत गांवों में क्षेत्र अवैध शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है। फिर भी पुलिस एवं आबकारी विभाग अफसर अवैध बिक्री पर अंकुश नहीं लगा पा रही है ठेकेदार द्वारा ज्यादा लाभ कमाने के उद्देश्य से जगह अवैध शराब के काउंटर खोल दिए गए हैं। खास बात यह कि क्षेत्र में कई जगहों पर कच्ची शराब भी बनाई जा रही है। इसकी जानकारी पुलिस और आबकारी अफसरों को भी है किन्तु अभी तक इस काले कारोबार को रोकने की जहमत जिम्मेदार विभाग द्वारा नहीं उठाई गई है। अवैध शराब को लेकर समाचारपत्रों में भी कई बार मुद्दा उठाया जा चुका है। इसके बाद भी शराब माफिया के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। जिसके चलते शराब माफिया खुलेआम अवैध शराब बेच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर शासन को हर माह लाखों रुपए राजस्व की हानि हो रही है।

खुलेआम कई स्थानों पर बिकती शराब : सूत्रों के अनुसार नगर के हनुमान बाग मुहल्ले में काउंटर लगाकर शराब माफिया द्वारा शराब बेची जा रही है यह स्थान पुलिस थाने से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर है लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी बैठी है वहीं शराबी आये दिन शराब के नशे में उत्पात मचाते रहते हैं पास में ही हनुमान बाग रामबाग मंदिर जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु जाते जिनमें महिलाएं एवं बच्चे में शामिल है जो रोज इन शराबियों की हरकतों के कारण असहज स्थिति का सामना करते हैं। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष नीरज पौराणिक ने आरोप लगाया है कि शराब ठेकेदार रेनू द्विवेदी और पुलिस की मिली भगत से नगर एवं क्षेत्र में लगातार अवैध शराब बेची जा रही है जिससे नगर तथा क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है तथा युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं। इसी तरह नगर के वार्ड क्रमांक 15,11,12,9,8,14 में भी अवैध शराब बेची जा रही है जिससे यहां के रहवासियों का रहना दुश्वर होता जा रहा है और पुलिसिया मिलीभगत से जगह जगह अवैध शराब का व्यापार दिन प्रतिदिन फल फूल रहा है।

दिन दहाड़ी विगती अवैध शराब : शराब माफिया दिन दहाड़े जगह-जगह अवैध शराब खुलेआम बेच रहे हैं। इसके बावजूद भी पुलिस एवं आबकारी विभाग अफसर हाथ पर हाथ रखे बैठे हुए हैं। गौरतलब है कि यह कि अवैध शराब लोगों को सस्ते दामों में मिल जाती है। जिसकी वजह से दिन पर दिन शराब पीने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है।

अवैध शराब पर अंकुश को लेकर पुलिस गंभीर नहीं : एक तरफ सभी समाज शराब पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहा है। जिससे लोग नशा से मुक्ति पा सकें। दूसरी ओर नगर में सस्ते दामों में अवैध शराब मिल रही है। जिसकी वजह से लोग शराब लत को छोड़ नहीं पा रहे हैं।

समूह की महिलाओं से दूध खरीदकर दीदी कैफे से किया जाएगा विक्रय

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आज 01 जनवरी 2024 को नववर्ष के दिन आनंदम दीदी कैफे मंस गोकुल डेयरी का शुभारंभ किया गया। साध्वी नीमा बाई ने फीता काटकर गोकुल डेयरी का शुभारंभ किया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस व पार्षद महेन्द्र दाहिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और समूह की दीदियां मौजूद थीं। गोकुल डेयरी का संचालन निशा स्व-सहायता समूह करेगी। इसमें लोगो को 60 प्रतिलीटर शुद्ध दूध मिलेगा, साथ ही दही 60 प्रति लीटर, पनीर 360 रूपए प्रतिलीटर, मठा 40 रूपए प्रतिलीटर मिलेगा। स्व-सहायता समूह की महिलाओं से दूध खरीदकर दीदी कैफे परिसर से नगर वासियों को एलेक्टोमीटर से मापकर शुद्ध दूध विक्रय किया जाएगा। जिससे मिलावटी दूध पर रोक लगाई जा सके।

अस्पताल में नाइट ड्यूटी करने जा रही नर्स के अपहरण का प्रयास

पुलिस ने एक लड़की सहित दो आरोपियों को हिरासत में लिया

छतरपुर। जिला अस्पताल छतरपुर में पदस्थ एक नर्स मंगलवार की रात नाइट ड्यूटी के लिए जा रही थी। इसी दौरान महल रोड पर नर्स को जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई। लड़की ने चिल्लाना शुरू किया। आवाज सुनकर लोगों ने लोगों ने आरोपियों को घेर लिया। पुलिस ने एक लड़की दो लड़कों हिरासत में ले लिया है। साथ ही कार को जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिकायतकर्ता नर्स नीलम श्रीवास ने बताया कि वह जिला अस्पताल में नर्स के पद पर पदस्थ है। मंगलवार को उसकी नाइट ड्यूटी है। इस कारण वह पैदल अपने किराए के मकान से महल रोड से जिला अस्पताल जा रही है। रात को 8ः15 बजे महलरोड पर चश्माघर के पास अमित भारद्वाज 30 वर्ष पिता महेश भारद्वाज निवासी बालाघाट मध्य प्रदेश ने उसे रोका। उसके साथ एक युवक और युवती साथ में थे। वह ?अमित को जानती थी, इस कारण रुक गई। इसी बीच आरोपी ने उसे जबरन कार में बैठने और अगुवा करने की कोशिश की। उसके शोर मचाने पर लोगों ने बचा लिया। नीलत ने बताया कि उसकी एक साल पहले अमित के साथ शादी तए हुई थी, लेकिन उसके परिवार ने शादी को तोड़ दिया था। इसके बावजूद अमित शादी के लिए दबाव बना रहा था इस कारण उसने जनवरी 2023 बालाघाट में परिवार परामर्श केंद्र बालाघाट में मामले की शिकायत की थी। नर्स ने आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं आरोपी अमित भारद्वाज ने बताया कि वह अपने चाचा के लड़के आकाश और बहन राखी के साथ 31 जनवरी को बालाघाट से चलकर बागेश्वर धाम आए थे। 2 जनवरी को बागेश्वर धाम से दर्शन करके वापस अपने घर जा रहे थे। जहां अमित ने आकाश और राखी से कहा कि यहां छतरपुर जिला अस्पताल में नीलम से (जिससे कि उसकी शादी तय हुई थी) बात कर लेते हैं। तो वह लोग सामान्य बात करने आ गए थे। इसी दौरान नीलम ने हलल्ला कर दिया और यह बबाल हो गया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी दोनों लड़कों और लड़की को हिरासत में ?ले लिया है। साथ ही नर्स के आवेदन पर जांच शुरू कर दी है।

पुराना पन्ना नाका पर बन रहे सेल्फी प्वाइंट का निरीक्षण

छतरपुर। विगत कई वर्षों से पन्ना नाका स्थित सड़क किनारे की जमीन पर दुकानदारों के द्वारा कब्जा कर रखा था। विगत दिनों पहले प्रशासन ने इन सभी दुकानों को सड़क किनारे से हटाकर एक स्थाई मैदान में स्थापित करवा दीं थी। दुकानदारों की गुमटियों को जब प्रशासन ने हटाया तथा तब विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगी हुई थी। एक व्यवसाई के प्लाट को फायदा पहुंचाने को लेकर एसडीएम सहित नगर पालिका ने यह दुकानों को हटवाया था। लेकिन जैसे ही विधानसभा की आचार संहिता खत्म हुई वैसे ही नगर पालिका अध्यक्ष ने इस ओर ध्यान देना शुरू किया और वर्तमान में इस सड़क किनारे फुटपाथ और सेल्फी प्वाइंट बनवाना शुरू कर दिया गया है। इस निर्माण कार्य का बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष पति पप्पू चौरसिया, भाजपा मीडिया प्रभारी अरविन्द्र सिंह बुन्देला, भाजपा नेता विवेक शर्मा, भाजपा नेता रूपकिशोर मिश्रा, भज्जू सहित तमाम नगर पालिका से जुडे भाजपा नेताओं ने निरीक्षण किया और पन्ना नाका चौराहे की अधिक से अधिक शौन्दीय कारण को लेकर अच्छे से अच्छा सेल्फी प्वाइंट बनाने को लेकर ठेकेदार को निर्देशित किया।

संस्था के प्रमुख मुकेश अग्रवाल ने लिखा कलेक्टर को पत्र

शहपुरा। संजीवनी सामाजिक जन कल्याण संस्था के प्रमुख मुकेश अग्रवाल ने कलेक्टर महोदय को पत्र लिखकर शहपुरा नगर परिषद द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के संबंध में निवेदन किया है। पत्र में लिखा गया है कि शहपुरा नगर परिषद की शान और गौरव का प्रतीक 100 फीट का राष्ट्रीय ध्वज इस समय सम्मान के साथ नहीं लहरा रहा है नगर परिषद शाहपुरा द्वारा ध्वज की साफ सफाई के लिए ध्वज को उतर गया था जिसे दो माह बीत चुके हैं लेकिन अभी तक शाहपुर नगर परिषद द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को यथावत नहीं किया गया है। यदि नगर परिषद शहपुरा के पास अतिरिक्त ध्वजा नहीं हैया 100 फीट के राष्ट्रीय ध्वज की रखरखाव में नगर परिषद शहपुरा सक्षम नहीं है तो यह जिम्मेदारी हमारी संस्था को सौंप दी जाए और यदि नगर परिषद सक्षम है तो नगर परिषद के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से निवेदन है किनगर के गौरव राष्ट्रीय ध्वज का अपमान ना करें और समय पर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए ध्वज को सा सम्मान से पुराण नगर परिषद में लगा दें जिससे कि राष्ट्रीय ध्वज लहराता रहे और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान ना हो।

आरटीओ ऑफिस में आवेदक खुद पूरे दस्तावेज के साथ करें आवेदन, तय समय सीमा में होंगे काम

दुर्गेश बर्मन डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि आर टी ओ कार्यालय को दलालों का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। आवेदक खुद पूरे दस्तावेजों के साथ आवेदन करें।समय पर काम पूरा नहीं होने पर मुझे मोबाइल नंबर पर जानकारी देने वाले को प्रति आवेदन 500 रुपए जुर्माना और काम करवा कर देंगे।जुर्माने की राशि आर टी ओ अधिकारी से वसूल की जाएगी।कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को निर्देश जारी किए है।

आवेदक अपने पूरे दस्तावेज के साथ आवेदन करने पर 96 घंटे के अंदर काम करके देंगे। कलेक्टर ने बताया कि आर टी ओ ऑफिस में लगातार शिकायते मिलने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।पिछले डेढ़ साल से डिंडोरी में दूसरे जिले के प्रभारी आर टी ओ काम कर रहे है। वर्तमान समय में बालाघाट जिले के आर टी ओ अनिमेष गढ़पाले प्रभार में है सप्ताह में दो दिन कार्यालय में बैठकर काम करेंगे ।लाइसेंस ,वाहनों के ट्रांसफर के काम समय पर लिए जायेंगे।

कार्यालय में चिपकाया नोटिस कोई रिश्वत मांगे तो व्हाट साप नंबर पर दे जानकारी कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश मिलने के बाद आर टी कार्यालय की दीवारों पर नोटिस चस्पा कर दिया गया है।नोटिस पर स्पष्ट उल्लेख है कि आवेदक खुद सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ आवेदन करें।दलालों के चक्कर में न पड़े तय सीमा में काम लिए जायेंगे कोई समस्या होने पर कलेक्टर विकास मिश्रा के मोबाइल नंबर 9425028181 या फिर आर टी ओ अनिमेष गढ़पाले के मोबाइल नंबर 9993399707 पर सूचना दे।

रिश्वत की शिकायत मिलने पर सख्त कार्यवाही : कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि यदि आवेदक खुद सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ आवेदन करता है और कोई कर्मचारी उससे रिश्वत की मांग करता है तो मेरे मोबाइल नंबर पर आडियो वीडियो भेजे शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

गुड गर्वेनेंस को जमीन पर उतारने का प्रयास

कलेक्टर विकास मिश्रा ने आर टी ओ अधिकारी अनिमेष गड़पाले के साथ बैठक कर निर्णय लिया है कि बिना दलाल के खुद

उम्मीद की किरण को प्रशासन ने फिर बदला खुशियों में

दो आवेदकों को सहा. ग्रेड-3 एवं प्राथमिक शिक्षक के पद पर मिली अनुकम्पा

छतरपुर। प्रदेश भर में छतरपुर जिला प्रशासन उदाहरण बनकर उभरा है। जहाँ नई ऊर्जा और सकारात्मक संकल्पों की राह से अनुकंपा नियुक्ति की उम्मीद लगाए चेहरों पर खुशियां बिखर रहीं हैं। कलेक्टर संदीप जी.आर. का अनूठा नवाचार जिसमें पूर्व में शिविर लगाकर एक ही दिन में पात्र व्यक्तियों के अनुकंपा नियुक्तियों का निराकरण कर नौकरियां दी गई हैं। तो वहीं कलेक्टर श्री जी.आर. के निर्देश पर जनजातीय कार्य विभाग छतरपुर द्वारा एक प्रकरण का निराकरण कर पात्रतानुसार विभाग में ही रिक्त पद होने पर सहायक ग्रेड-3 के पद पर श्रीमती हिमानी चौरसिया पति स्व. शैलेन्द्र चौरसिया एवं शिक्षा विभाग द्वारा भी 1 प्रकरण को निराकृत करते

हुए कु. सौम्या गुप्ता पिता स्व. शंकर लाल गुप्ता को प्राथमिक शिक्षक के पद पर शासकीय प्राथमिक शाला घुवारा में अनुकंपा नियुक्ति का पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर श्री जीआर ने कलेक्ट्रेट छतरपुर में कु. सौम्या गुप्ता एवं श्रीमती हिमानी चौरसिया को अनुकम्पा नियुक्ति का प्रमाण पत्र सौंपा और अच्छा कार्य करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान डीईओ एम.के. कोटार्य एवं जनजातीय कार्य विभाग की संयोजक डॉ प्रियंका राय उपस्थित रहीं। दोनों आवेदकों ने अनुकंपा नियुक्ति मिलने पर शासन-प्रशासन का आभार जताया है। उल्लेखनीय है की इसके पहले शिविर आदि माध्यम से 24 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति मिल चुकी है और दो प्रकरणों में नियुक्ति मिलने से संख्या 26 हो गई है।

आदिवासी परिवार रिकॉर्ड सुधार को लेकर लगा रहा है

न्याय की गुहार दर -दर की ठोकरे खाने को मजबूर

एसडीएम, के आदेश का नही हो रहा है पालन तहसीलदार मस्ती में मस्त जनता परेशान उठ रहे हैं कार्यशैली पर सवाल

आट माह से तहसील राजनगर के लगा रहा है चक्क र नहीं सुन रहे अधिकारी

राजनगर। भले ही मधयप्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार आदिवासी परिवारों को राजनैतिक रूप से साधने एवम लुभाने के लिए राजनीति कर रही हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है ग्राम पंचायत टिकरी के अन्तर्गत आने वाले ग्राम कुंदरपुरवा में आदीवासी परिवार गुमना आदीवासी रिकॉर्ड सुधार को लेकर आठ माह से परेशान है कलेक्टर,एसडीएम तहसीलदार कार्यालय के चक्कर लगाते लगाते थक गया है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मस्त है उनके कानों में जू तक नहीं रेंग रही है केवल अपनी मस्ती में है उनका तो केवल इतना कहना है कि माल पानी लाओ मतलब जेब गरम करो तभी कुछ काम हो पाएगा गरीब किसान मजदूर वर्ग एवं आदिवासी परिवार करीब आठ माह से परेशान है तहसील कार्यालय के चक्कर लगाते लगाते थक चुका है लेकिन कोई भी कार्यवाही अधिकारियों के द्वारा नही की जा रही है।

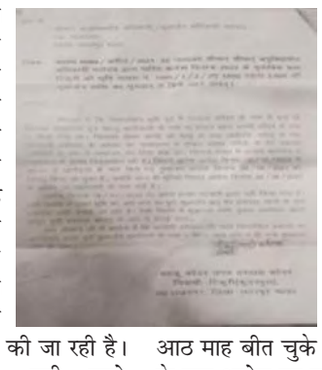

दूसरा मामला - वही दूसरे आदीवासी परिवार की बात करे तो एक आदीवासी परिवार के लिए एसडीएम कार्यालय के द्वारा आदेश दिया गया था कि प्रकरण क्र.0089/अपील/ 2021-22 न्यायालय द्वारा एसडीएम कार्यालय से आदेश पारित कर आदेश का पालन करते हुए मुवाबजा का भूगतान को लेकर तहसीलदार राजनगरसर्किल चंद्रनगर को आदेशित किया गया था लेकिन आठ माह बीत चुके हैं लेकिन अधिकारी के द्वारा आदेश का पालन नहीं किया गया है कलेक्टर से लेकर एसडीएम तहसीलदार कार्यालय के चक्कर लगाते लगाते परेशान हो गया है लेकिन कोई भी अधिकारी सुध नही ले रहे है क्योंकि उसके पास रिश्वत देने के लिए पैसे नहीं हैं और न ही राजनीति है परेशान होकर इन आदिवासियों परिवारों ने सीएम हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई गई जिसका शिकायत नम्बर 25513793 है कि शायद उनकी फरियाद मध्यप्रदेश सरकार के मुखिया डा मोहन यादव सुन लें।

क्या है मामला- मामला राजनगर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टिकरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुदरपुरा का है जहां पर रेलवे विभाग के लिए जमीन का अधिगृहण किया जा रहा है राजेश आदीवासी पिता गुमना आदीवासी के पिता की मौत हो चुकी है गुम्ना कि पत्नी और बच्चे जमीन के मुवाबजा के पात्र हैं लेकिन रिकॉर्ड सुधार ना होने पर अभी तक उनको अवॉर्ड की राशि नही मिल पा रही हैं वही दूसरे मामले में एसडीएम के आदेश पारित हो जाने पर पालन नहीं किया जा रहा है जिसको लेकर दोनो आदीवासी परिवार परेशान हो रहे है लेकिन अधिकारी उक्त मामले पर कोई भी कार्यवाही नहीं कर रहे हैं इस तरह के मामलो को देखकर आप स्वयं कयास लगाए जा सकते है कि सरकार आदिवासी परिवारों को लेकर कितनी गंभीर है भले ही आदिवासी को सरकार अधिकार देने कि बाते करते हो लेकिन ऐसे मामलो को देखकर आप कयास लगाए जा सकते है

इस तरह के मामले लगातार राजनगर तहसील में देखे जा रहे हैं पैसे के आगे साहब नतमस्तक है गरीब लाचार और बेबस है मामला मीडिया में आने के बाद देखना होगा कि उक्त मामले पर सुनवाई करते है या नहीं देखना होगा

एजेंसी देनी

शासन प्रशासन एवं जन-जन की आवाज बनकर प्राथमिकता से खबरों में आपके के बीच 15 वर्षों से लगातार अग्रसर

क्षेत्र में एजेंसी देनी है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715